53-0605
HINDI

WILLIAM MARRION BRANHAM

यीशु के यश का आरम्भ

THE BEGINNING OF JESUS' FAME

05 जून, 1953
कौनर्सविल इंडियाना,
संयुक्त राज्य अमरीका

बोला हुआ वचन ही मूल बीज है

यीशु के यश का आरम्भ

THE BEGINNING OF JESUS' FAME

यह सन्देश **यीशु के यश का आरम्भ THE BEGINNING OF JESUS' FAME** हमारे प्रिय भाई विलीयम मेरियन ब्रानहाम ने रविवार 5 जून, 1953 कौनर्सविल इंडियाना, संयुक्त राज्य अमरीका में प्रचार किया था। यह सन्देश बिना घटाए बढ़ाए प्रकाशित किया गया है।

यह हिन्दी अनुवाद **राईजिंग ऑफ द सन** द्वारा छापा और नि:शुल्क वितरित किया गया है।

For further information please contact:-

RISING of the SUN

www.risingofthesun.org

RISING OF THE SUN (Quickening Power)
SHAM CHAURASI, HOSHIARPUR-144105
roshanmasih@gmail.com
Contact us:- +91-9463305712, +91-9915920510

यीशु के यश का आरम्भ

THE BEGINNING OF JESUS' FAME

जब हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाएंगे तो थोड़े समय के लिए हम खड़े रहेंगे। हमारे स्वर्गीय पिता, हम तेरी सेवा करने हेतु आज रात्रि एक बार फिर इस सहभागिता के लिए, इस यशस्वी और दैदीप्यमान सौभाग्य हेतु तेरा धन्यवाद करते हैं; कि तू जो हमारा निर्माता और रचयिता है हम तेरी प्रशंसा में अपने प्रेम और गीतों की भावनाओं को अभिव्यक्त कर सकें।

हम यहां उपस्थित प्रत्येक प्राण के लिए तेरा धन्यवाद करते हैं, और प्रार्थना करते हैं कि उस महान दिवस पर उनमें से कोई भी, एक भी नाश न हो; होने दे कि वे सभी बचा लिए जाएं। और, पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आज रात्रि पवित्र आत्मा सभा पर अधिकार कर ले, और अभी और भविष्य में श्रोताओं पर स्वयं को, स्वयं की सामर्थ को प्रकट तथा प्रमाणित करे। प्रभु होने दे कि आज रात्रि रोगी चंगे हो सकें, क्योंकि वे कलवरी को निहारते हैं और देखते हैं कि सब पर्याप्त महान बलिदान वहां उनके लिए अर्पित किए जा चुके हैं: परमेश्वर ने संसार के लिए प्रेम और रोगियों के लिए अपनी भावना को व्यक्त किया है। परमेश्वर, हम आज रात्रि इसे ठुकरा न सकें। हम इसे देख सकें और विश्वास कर सकें; इसे हम तेरे पुत्र यीशु के नाम में होकर मांगते हैं। आमीन।

2 [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.] तुम्हारे प्रति प्रभु यीशु मसीह की सराहना और मेरे प्रेम को एक अभिव्यक्ति दे, प्रार्थनाओं में हूँ कि यह रात्रि हममें से प्रत्येक के लिए अधिकाधिक अर्थपूर्ण हो सके, कि परमेश्वर का प्रेम हम सभी के लिए होगा।

अब विगत संध्या मैं बता रहा था- या गवाही दे रहा था। अब, मेरी बड़ी बाधा के लिए, भाई बैक्सटर आज रात्रि हमें छोड़ देता है। [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]

... वचन का, परमेश्वर अपने वचन को आशीष देगा। वह अपने वचन को आशीष देने जा रहा है। अत: अब मत्ती अध्याय 4, 23वीं पंक्ति में, यह यीशु के यश का आरम्भ है, हम इसे पढ़ते हैं:

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उनके आराधनालयों में

उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा।

और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं और मिर्गी वालों और झोले के मारे हुओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया।

3 और निश्चय ही जैसा कि सदा ही मेरी विषय वस्तु रही है कि यीशु मसीह कल, आज और सदा एक सा है। उसकी वर्तमान प्रवृति उससे परिवर्तित नहीं हुई है जो उस दिन थी। अब, प्रत्येक रात्रि लोग हमारी सभाओं में आ रहे हैं जो कि... संभवत: नवागुंतक हैं। और सभा के प्रथम भाग में हमारे पास कुछ अनुकूल... हमारे पास था- शीतल रात्रि और इसी प्रकार, अत: हमें केवल बैठ जाना था और-और अपनी सबसे अच्छी जानकारी से उस तरीके का वर्णन करना था जिससे दिव्य चंगाई कार्य करती है। अत: मैंने घटित हुई चीजों की गवाही के लिए इन कुछ रात्रियों को ठहराया है।

यदि मैं घटित हुई सौ बातों को बताने का प्रयत्न करूं तो मुझे डर है कि हमारी सभा बहुत लम्बी हो जाएगी। इसे पूरा बताने में कि हमारे प्रभु ने क्या-क्या किया है सप्ताह और महीने लग जाएंगे। इसमें अचरज नहीं कि उसने कहा, ''ये काम जो मैं करता हूँ तुम भी करोगे, वरन उससे बढ़कर।'' गुणवत्ता में बढ़कर नहीं बल्कि संख्या में अधिक, क्योंकि कोई भी गुणवत्ता में उससे बढ़कर नहीं कर सकता। उसने प्रकृति को रोक दिया, मुर्दों को जिला दिया, वरन वह अब भी करता है। और वह आज भी वही है जो वह कभी था।

4 किसी एक रात्रि, यदि प्रभु ने चाहा तो, मैं तुम्हें स्वीडन, या फिनलैंड में उस छोटे लड़के के मृतकों में से जी उठने के विषय में स्पष्ट रूप से बताऊंगा, यह मेरी सेवकाई के संपूर्ण दिनों में सबसे शानदार चीजों में से एक है जो मैंने देखी हैं। निश्चय ही, यह दर्शन के द्वारा हुआ था।

विगत संध्या मैं तुम्हें मिलटाउन, इंडियाना की श्रीमती जॉर्जी कार्टर के विषय में बता रहा था जिन्हें तपेदिक से चंगाई मिली थी। उसी समय मिलटाउन बैप्टिस्ट चर्च में मेरी प्रथम बेदारी में रेव्ह. श्री हाल, जोकि पहले नाज़रीन कलीसिया के सदस्य थे और धर्मच्युत हो गए थे। वे समस्त मसीहियत के विरुद्ध अति कटु और ठंडे हो गए थे। और

वे मेरी सभाओं में से एक के दौरान बदल गए और आज वहां पास्टर हैं। और कैलिफोर्निया से वापस लौटने पर -जब श्री अपशॉ चंगे हो गए थे।

और यदि आप श्रीमति कार्टर को पत्र लिखना चाहें तो वह और उनका डाक्टर अपना-तुम्हें भेजने में प्रसन्न होंगे, ताकि तुम उनसे बात कर सको। दी गई कोई भी गवाही या जो पुस्तकों में है, यह-वे सब चिकित्सकों के प्रमाणिक वक्तव्य हैं। अत: तुम उन्हें खोजना चाहते हो। बहुतेरी... वे आलोचकों में से भी होकर गुजरे, परन्तु परमेश्वर ने प्रत्येक अवसर पर प्रमाणित किया है कि वह बिलकुल वैसा ही है जैसा वह सदा से था।

5 और पुस्तक में, संभवत: तुममें से कुछ ने उस रात्रि के विषय में पढ़ा है जब वह सनकी ओरेगन में मंच पर दौड़ कर आया-वह मेरे प्राण हरने जा रहा था। किसी ने कहा था, "भाई ब्रनहाम, क्या तुम डर गए थे?"

मैंने कहा, "नहीं श्रीमान, लेश मात्र भी नहीं।" जब तक यीशु वहां है, जब तक वह मुझे यह करने को कहता है, और मैं उसकी इच्छा में हूँ कुछ भी भयभीत होने के लिए नहीं है। समझे? जब तक तुम वह करते हो जो वह करने को कहता है, और तुम यह जानते हो कि तुम सीधे तौर पर निर्देशित हो, तब भयभीत होने के लिए कुछ भी नहीं है। सिद्ध प्रेम समस्त भय को दूर कर देता है। परमेश्वर में कुछ भय नहीं है। प्रेम भय को दूर कर देता है।

और आज रात्रि मैं जानता हूँ, मैं दिव्य चंगाई में विश्वास करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि-कि दिव्य चंगाई, कि एक दिन अब जो यह बड़ी कलीसियाएं हैं, जो परमेश्वर के इस महान कार्य का इंकार कर रही हैं, वे एक दिन देखेंगी कि रोगियों को चंगा करने की परमेश्वर की सामर्थ बिलकुल वही है जो समय-समय में प्रत्येक काल में रही है। तुम समझे? बस केवल यह है कि लोगों को अलग शिक्षा दी गई है। यही कारण है कि उनके पास दिव्य चंगाई के लिए विश्वास नहीं है। उन्हें सिखाया गया है कि वे सब बातें बीत चुकी हैं।

6 अफ्रीका के मेरे मित्र जो यहां हैं, जब हम अफ्रीका गए थे तो यह पता लगाना कितना आश्चर्यजनक था। बहुत से मिशनरी वहां पर थे और उन्होंने पर्चे बांटे और भी काफी कुछ किया था, उन्होंने उन लोगों को यीशु के विषय में बताया। परन्तु जब चंगाई की बात आई तो उसने कहा कि यह चीजें जा चुकी हैं वे अब इसे नहीं करते हैं। और जब

यहां तक कि रेगिस्तानी ढोल भी जीत गए, जब उन्होंने सुना कि यीशु चंगाईकर्ता था, तब हमारे पास एक दिन में तीस हजार धर्मांतरित लोग थे और यह इसलिए कि उन्होंने उस परमेश्वर की सामर्थ को देख लिया था जिसकी वो सेवा करना चाहते थे; परन्तु उन्हें उनके मिशनरी के द्वारा अवगत कराया गया था कि उसकी सामर्थ जहां तक उन्हें बचाए जाने के कार्य से अधिक थी वह समाप्त हो गई थी। वहां कोई दिव्य चंगाई नहीं थी। परन्तु जब उन्होंने उसे अपंगों को चंगा करते, अंधों को दृष्टि देते, बहरों को सुनते और गूंगों को बोलते देखा तो वे औंधे मुंह गिर पड़े और परमेश्वर की प्रशंसा स्तुति की।

मुझे डरबन से छपने वाला एक समाचार पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि सभा के तुरंत पश्चात वहां पर वास्तविक मन परिवर्तन हुआ था, वे सात गाड़ी भरकर हथियार और घड़ियां और अन्य वस्तुएं लेकर आए जिन्हें स्थानीय लोगों ने चुराया था... केवल एक कबीले ने ही उन्हें वह सब लौटाया: सात गाड़ियां भरकर वे आए और उन्हें वह सब दे दिया; वे अब उस सब सामान के साथ कुछ नहीं करना चाहते थे।

7 वापस लौटने के पश्चात मैं एक सम्मेलन में या मेरी कलीसिया के सेवकगणों के एक जमावड़े में खड़ा हुआ था कि कुछ धर्माचार्यों ने कहा, "भाई ब्रनहाम, हम चाहते है कि आज रात्रि आप बोलें।" ओह, वहां खड़ा होने और यह कहने ने मुझे कैसा अहसास कराया, "भाइयों," (वह सेवक जिसने मुझे दीक्षा दी थी वह वहां उपस्थित था।) मैंने कहा, "तुम जो कहते हो कि मैंने एक दुस्वपन देखा था..." मैंने कहा, "हमने पिछले सौ वर्षों में अफ्रीका में मिशनरियों को भेजा। और जब मैं वहां पहुंचा तो मैंने उन्हें मिट्टी की मूरतों को सम्हालते देखा और वे स्वयं को मसीही कह रहे थे।" परन्तु मैंने कहा, "जिसे तुम कट्टरता कहते हो, जिसे तुम दुष्ट का कार्य कहते हो, उसने पांच मिनट में ही हमारे द्वारा सौ सालों में भेजे गए मिशनरीयों और हमारे द्वारा खर्च किए गए लाखों डालर्स की अपेक्षा मसीह के लिए कहीं अधिक प्राणों को जीत लिया।"

भाई, बहन, कलीसिया को परमेश्वर की कार्ययोजना में शामिल होना चाहिए, तब ही कलीसिया सही प्रकार से चल पाएगी। धन उगाही के लिए किए जाने वाले प्रीति भोज, रात्रि भोज और इसी तरह की चीजें परमेश्वर के काम करने का तरीका नहीं है। अपने दशमांश दो; परमेश्वर तुमसे ऐसा करने के लिए चाहता है। समझे? बस परमेश्वर के कार्यक्रम में रहो और वह देने वालों को आशीष देगा। उसने प्रतिज्ञा की है।

अत: यदि हम किसी और चीज का विकल्प बनाते हैं बिलकुल वैसे ही जैसे आज

हमने पवित्र-आत्मा के बपतिस्मा के स्थान पर धार्मिक शिक्षा का विकल्प चुना है, यह कभी काम नहीं करेगा। यह कर ही नहीं सकता है। हमने सामर्थ के स्थान पर झुंडों को प्रतिस्थापित किया है। यह कभी सामर्थ का स्थान नहीं ले पाएगा। परमेश्वर सामर्थ है। वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर है। परमेश्वर सामर्थों की सामर्थ है।

8 वह बैप्टिस्ट सेवक जिसके विषय में मैं बता रहा था, श्री हाल, रेव्ह. विलियम एच. हाल, मिलटाउन, इंडियाना, मिलटाउन बैप्टिस्ट चर्च का पास्टर था। सभाओं के दौरान बदल जाने के पश्चात वह वर्षों तक मेरा घनिष्ठ मित्र रहा था। वह दिव्य चंगाई में एक महान विश्वासी बन गया। और जब मैं कैलिफोर्निया में था, जहां मैं विगत रात्रि कांग्रेस सदस्य अपशॉ और अन्य बहुतेरों की चंगाई के विषय में बोल रहा था; जब घर वापस आया तो मेरी पत्नि जो आज यहां मौजूद हैं ने मुझे बताया कि मैं-भाई हाल बिस्तर पर कैंसर से मर रहे हैं। खैर, तुम कल्पना कर सकते हो कि परमेश्वर के उस शानदार, बांके रौबदार सैनिक को मरते हुए देखकर मुझे क्या अहसास हुआ होगा। मैंने कहा, ''वैसे प्रिय, उसका चिकित्सक कौन है?''

उसने कहा, ''मुझे लगता है श्री डिलमैन हैं।'' डा. डिलमैन तो मेरे अंतरंग मित्र हैं। और निश्चित रूप से मैं उसे पसंद करता हूँ। और इसलिए मैंने सोचा कि श्री हाल के पास जाने से पहले मैं डा.डिलमैन से फोन पर बात करूंगा, लेकिन वह अपने कार्यालय में नहीं थे। अत: ... वह कौरीडोन, इंडियाना से हैं।

9 अत: मैं श्रीमान हाल से मिलने चला गया। और वहां वे लेटे हुए थे: पीड़ा के इन चार या पांच सप्ताहों में उनका वज़न साठ या सत्तर पाउन्ड कम हो गया था और वह एक कद्दू की तरह पीले पड़ गए थे। मैंने उनसे पूछा कि उनको क्या समस्या हुई है; उसने कहा, ''भाई ब्रनहाम,'' और कहा, ''मुझे कैन्सर है।'' बोला, ''यह मेहदे के ऊपर है।'' और कहा, ''मुझे लगता है यदि परमेश्वर मेरी सहायता न करे तो मैं समाप्त ही हूँ।'' खैर यह... मैं-मैं इस व्यक्ति से प्रेम करता हूँ, अत: मैं घुटनों पर हो गया और उसके साथ प्रार्थना करी। अपने संपूर्ण मन से मैंने परमेश्वर से उसकी चंगाई मांगी, फिर मैं उठा और घर चला गया। अगली सुबह मैंने यह देखने के लिए फोन किया वह कैसा है। वह अब तक के समय में सबसे बुरी स्थिती में था। अत: उन्होंने कहा कि, मैं न्यू एलबनी के उस विशेषज्ञ का नाम भूल गया हूँ जिसने सेंट एडवर्ड अस्पताल, न्यू एलबनी, इंडियाना में एक्सरे लिया था। वही था जिसने एक्सरे लिए थे। अत: अगले दिन मैं डा. डिलमैन से मिला और मैंने उनसे श्रीमान हाल के विषय में पूछा। उसने

बताया, ''वैसे, भाई ब्रनहाम... '' (उस व्यक्ति का नाम डा. मैक्कुली था।) वह बोला, ''हम उसे वहां ले गए और एक्सरे किए।'' और कहा, ''उसके मेहदे के ऊपर कैंसर है और हम इसमें कुछ भी नहीं कर सकते हैं। यह शल्य चिकित्सा करने की अवस्था से बहुत आगे निकल चुका है।'' और कहा, ''हम इसमें कुछ भी नहीं कर सकते हैं। यह व्यक्ति मर रहा है।''

मैं बोला, ''डा. डिलमैन यह सुनना मुझे नापसंद है।''

उसने कहा, ''जी हां, वह एक अच्छा आदमी था भाई ब्रनहाम।''

10 अत: तब उस दिन मैं श्री हाल को देखने गया और–और वह बहुत बुरी स्थिती में था। मैंने उसके लिए दोबारा प्रार्थना करी। मेरी पत्नि उसे देखना चाहती थी, और मेरी सास और मेरा सचिव भाई कौक्स भी उससे मिलना चाहते थे। अत: हमने एक शिष्टमंडल बनाया और उस रात्रि उसे देखने गए; क्योंकि हम जानते थे कि वह बस थोड़े बहुत और समय के लिए है। और वह हमसे बात करने के लिए लगभग चूक चुका था, तौभी हम सब भीतर इकट्ठा हुए और प्रार्थना की; एक भजन गाया और प्रार्थना की; और चले आए। और रास्ते में कुमारी हाल ने कहा, ''भाई ब्रनहाम, क्या कुछ भी ऐसा नहीं है जो तुम कर सकते हो?''

मैंने कहा, ''बहन, जो मैं कर सकता हूँ वह प्रार्थना है जैसे तुम कर रही हो।'' और वह एक बहुत भली महिला हैं। वे सम्भवतय: सप्ताहांत में यहां होंगे। मैं उनकी गवाही सुनना चाहता हूँ। और अत: उसने–उसने कहा, ''क्या एक भी चीज ऐसी नहीं है जो तुम्हें पता हो? क्या कोई दूसरा चिकित्सक है?''

मैंने कहा, ''अब, चिकित्सक बाकी सब की तरह ही हैं। तुम्हें अपने चिकित्सक पर भरोसा होना चाहिए। यदि तुम्हें नहीं है तो उसको बुलाने की कोई आवश्यक्ता नहीं है।''

उसने कहा, ''क्या तुम मुझे किसी और की सलाह दोगे?''

मैंने कहा, ''हां बिलकुल, मेरा मित्र, यहीं शहर में मेरे मित्रों में से एक, यह वो लड़का है जिसके साथ मैं विद्यालय गया था, उसका नाम डा. सैम अडाएर है: मैं सोचता हूँ वह देश भर में सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों मे से एक है। और हम पच्चीस या तीस सालों से वास्तविक अंतरंग मित्र हैं। उसने एक समय लुइविल की चिकित्सा समिति को मेरी सेवाओं के विषय में पत्र लिखा था। यदि मैंने इसे स्वयं बनाया है, या मेरे किसी–एक–एक सेवक इससे बढ़िया और बेहतर नहीं बना सकता था जो लुइविल

की चिकित्सा समिति को गया। उनमें से हज़ारों लोग बाहर जा रहे हैं।

11 अत: मैंने कहा, ''मैं उससे मिलना चाहूँगा।'' उसने कहा...

उसने कहा, ''ठीक है।''

और मैंने डा.अडाएर को फोन किया और मैंने कहा-उसने कहा, ''अब, भाई ब्रनहाम, केवल एक काम हम कर सकते हैं कि उस व्यक्ति को अस्पताल भेजें और एक्सरे करे जाएं।'' उसने कहा, ''मैं केवल यही कर सकता हूँ।'' उसने कहा, ''यदि चिकित्सकों ने अस्पताल में पहले ही एक्सरे करवा लिए हैं तो मैं उनका ही परीक्षण करूंगा।'' उसने कहा, ''जब मैं वापस आऊंगा तब मैं तुम्हें बताउंगा कि यह सत्य है या नहीं।''

मैंने कहा, ''खैर, यह उसकी थोड़ी मदद तो करेगा ही।''

अत: वह गया और उसने एक्सरे देखे, और वह वापस आया, और उसने कहा, ''हह...'' वह-हम एक दूसरे को जानते हैं, मैं उसे ''सैम'' कह कर बुलाता हूँ और वह मुझे ''बिली'' कहता है। अत: मैं-उसने कहा, ''बिली,'' उसने कहा, ''यह व्यक्ति मरने वाला है। उसके मेहदे में कैंसर है। बस इतनी बात है।''

अत: मैंने कहा, ''क्या कुछ ऐसा नहीं है कि तुम किसी तरीके से सहायता कर पाओ, या कोई दूसरा चिकित्सक हो? लुइविल में एक विशेषज्ञ है, मैं सोचता हूँ उसका नाम डा. एबल है, मुझे यकीन है कि यही नाम है। उसका एक चिकित्सालय है। अत: उसने कहा, ''मैं उसे वहां भेज सकता हूँ परन्तु वह बस... केवल एक काम है जो वह कर सकता है कि एक्सरे करे।'' उसने कहा, ''तुम्हें वहां उसे बिस्तर से बाहर निकालना होगा...'' और बोला, ''साथ ही साथ वह उसे आसानी से छोड़ सकता है जबकि वह जो है वह आसान है।''

12 खैर मैं गया और मैंने श्रीमती हाल से पूछा। उसने कहा, ''ठीक है, यदि कुछ भी किया जा सकता हो, उसे ले जाओ भाई ब्रनहाम।'' अत:, उन्होंने एम्बुलेन्स भेज दी, उसको वहां से लिया और और लुइविल में चिकित्सक के पास ले गए और वे उसे वापस ले आए। निश्चय ही क्योंकि वो कुमारी हाल को नहीं बता सकते थे अत: उन्होंने चिकित्सक को बताया। अत: चिकित्सक ने डा. सैम अडाएर को फोन किया और कहा, ''वह व्यक्ति जा चुका है। बस इतनी बात है।'' और कहा, ''ऐसा कुछ नहीं है जो तुम उसके लिए कर सकते हो।''

अत: डा. अडाएर ने मुझे फोन किया और कहा, ''बिली,'' कहा, ''तुम्हारा मित्र रेव्ह.हाल जा रहा है...'' उसने इस तरह से अभिव्यक्ति दी, उसने कहा, ''वह आगामी चार दिनों में नौका में से छलांग लगाने वाला है।'' वह बोला, ''वह चार दिनों के भीतर मर जाएगा; वह इससे ज्यादा नहीं जी पाएगा।'' उसने कहा, ''यही समाचार है।''

मैंने कहा, ''डा. अडाएर, मैं यह सुनना नापसंद करता हूँ।''

उसने कहा, ''अवश्य, हम सभी करते हैं।''

मैंने कहा, ''चिकित्सीय क्षेत्र में क्या तुम उसके लिए कुछ नहीं कर सकते हो?''

उसने कहा, ''बिली, मैं कुछ भी नहीं कर सकता।'' वह बोला, ''हम उसके मेहदे को बाहर निकाल कर उसे जीवित नहीं रख सकते हैं। और कहा, ''अब कुछ नहीं है जो किया जा सके।'' उसने कहा, ''यदि वह एक प्रचारक है तो मेरा अनुमान है कि वह जाने को तैयार होगा?''

मैंने कहा, ''ओह, हां।'' परन्तु वह केवल चौवन या पचपन वर्ष का है और मैंने कहा, ''वह अभी भी सुसमाचार प्रचार कर सकता है, और भी बहुत से काम है जो वह कर सकता है; मैं बस उसे इतनी कम उम्र में जाते हुए देखना पसंद नहीं करता हूँ।'' मैंने कहा, ''यद्यपि मैं विश्वास करता हूँ कि वह इस जीवन में से निकलकर दूसरे जीवन में कदम रखेगा, क्योंकि वह एक सच्चा मसीही है।''

13 और यहां कोई है जो मिलटाउन, इंडियाना के विल हाल को जानता है? रेव्ह. विल हाल... अपना हाथ उठाएं। निश्चय ही, यहां बैठे लोग उसे जानते हैं। देखा? और वह- वह एक भला मनुष्य है। अत: मैंने कहा, ''खैर, तुम कहते हो कि वह मरने जा रहा है?''

उसने कहा, ''बिली, निसंदेह।'' उसने कहा, ''चार दिनों के भीतर वह मर चुका होगा।'' उसने बताया कि कैन्सर फैल चुका है; ''यह ऐसा है जैसे कि एक बड़ा मकड़ा उसके मेहदे में बैठा हो और बस इस तरह फैल गया हो।'' उसने कहा, ''यह पहले ही उसे ले-खा चुका है।''

मैंने कहा, ''खैर, ठीक है। धन्यवाद, डा. अडाएर।'' और मैं-मैं चला गया। मैंने श्रीमती हाल को फोन किया। मैंने कहा, ''बहन हाल, मैं तुम्हें यह बताना नापसंद करता हूँ।'' परन्तु मैंने कहा, ''डा. अडाएर ने बताया है कि लुइविल के डाक्टर ने कहा

है कि वह चार दिनों के भीतर मर जाएगा।'' और उसने रोना आरंभ कर दिया, मेरे ऊपर झुक गई-बस एक बूढ़ी मां-जैसे... और मैंने कहा, ''बहन हाल, मैं तुम्हें यह बताना नापसंद करता हूँ।''

''क्या... भाई ब्रनहाम, क्या कुछ भी नहीं है जो तुम...''

मैंने कहा, ''बहन हाल, जो भी जानता था वह मैं कर चुका हूँ। बस-बस प्रार्थना, बस यही है जो मैं कर सकता हूँ। चिकित्सक जो कर सकता था वो कर चुका है, अत: यदि यह इस मनुष्य का जाने का समय है तो हमारा प्रिय भाई पर्दे को पार करके महिमा में प्रवेश करेगा।'' और मैंने कहा, ''केवल यही है जो मैं कर सकता हूँ।''

खैर, वह बहुत दुखी थीं। उस रात्रि मैंने परिवार को लिया और दोबारा उसे देखने के लिए गया। वह बामुश्किल ही मुझसे बात कर सकता था।

14 और मैं कैन्टकी प्रदेश में पैदा हुआ था, और क्या यहां पर कोई है जो गिलहरियों के शिकार में विश्वास रखता हो? हमें तुम्हारे हाथों को देखने दें। वैसे, अब यह ठीक है। मैं केवल यह जानना चाहता था कि मैं घर पर था या नहीं। मैं-मैं कभी-कभी गिलहरियों के शिकार पर जाना पसंद करता हूँ। मैं ऊपर आता हूँ, तुम्हें यहां एक बढ़िया जंगल मिला है। अत: मैंने सोचा कि अगली सुबह मुझे ईरी, पेनसिलवेनिया जाना था, और फिर हम वापिस आ रहे थे और विदेश जा रहे थे। मैं जाने को था, भाई बैक्सटर और मुझे, इस समूह को लगभग छ : सप्ताहों के लिए जाना था।

अत: वहां ढ़ेर सारे लोग घर में ठसाठस भर गए थे। मैं क्लांत था और अभी-अभी कैलिफोर्निया से लौटा भी था। भाई बैक्सटर गए थे और अपने परिवार से वैंकुवर में जाकर मिले और मुझसे ओहायो, टोलैडो में मिलने जा रहे थे, और तब आगे ईरी में। और वहां उस सभा में संभवत: इतने ही लोग थे जितने आज रात्रि यहां हैं। और तब, वहां...

अगली सुबह मैं गया और मैंने बताया, अपनी पत्नि को मैंने कहा, अब-मैंने कहा, ''प्रिय, मैं बाहर जंगल में जा रहा हूँ। मुझे संदेह ही था कि मैं गिलहरियों का शिकार कर पाऊंगा कि नहीं क्योंकि मैं बहुत ही ज्यादा नींद से भरा हुआ था।'' घर लगभग बारह या साढ़े बारह तक खाली हुआ। और मैं गया और अपनी पुरानी 22 बोर की रायफल और पोशाक को ले आया और उसे रख लिया, और मैंने उन्हें लपेट कर कोने में रख दिया कि... मैंने घड़ी के अलार्म को तीन बजे पर लगा दिया कि उठ सकूं और जंगल में गिलहरी के शिकार के लिए जा सकूं, जब तक कि-एक दिन पश्चात अगली

सभा में जाने से पहले तब मैं सोने और थोड़ा विश्राम करने को जा सकता था।

15 तीन बजे के लगभग अलार्म बोल उठा, और मैं-मैं जाग गया और मैंने इसे बंद कर दिया। बेचारी पत्नि इतनी गहरी नींद में थी कि वह उसे हिला भी न पाया। अत: मैं उठ खड़ा हुआ और अपनी पोशाक पहन ली, और निजी कक्ष में चला गया, मैंने खिड़की से बाहर देखा- वहां कोई नहीं था। मैंने सोचा, "खैर यह उचित ही है, मैं-मेरे जाने के लिए सब कुछ ठीक होना चाहिए।" अत: मैंने अपनी पुरानी रायफल ली और कक्ष में से होकर स्नानगृह की ओर जाने लगा, और जब मैं जा रहा था तो मैंने दीवार पर लगभग इतना बड़ा एक सेब लटका देखा, यहां पर तुम सब हूँसी वालों को जानकारी है कि एक गांठदार सेब क्या होता है-वह पूरी तरह से कीड़ों के द्वारा खाया हुआ और खट्टा प्रतीत हो रहा था; वह एक पीड़ित व्यक्ति की तरह खराब दिखता हुआ वहां लटक रहा था। और मैंने कहा, "अरे, यह क्या किया-मीडा ने क्या किया..." वह मेरी पत्नि है। मैंने कहा, "उसने इस चीज को यहां दीवार पर किसलिए टांगा है?" मैंने सोचा, "खैर, मुझे समझ नहीं आ रहा कि उसने इस छोटे पुराने गांठदार दिखने वाले सेब को इस तरह से यहां दीवार पर क्यों टांगा है।" खैर, मैं...

16 दालान से थोड़ा प्रकाश अंदर आ रहा था; मैं उसे वहां लटका हुआ देख सकता था। और मैंने सोचा, "अरे, यह क्या?" और मैंने देखा कि यह किसी दीवार पर नहीं लटक रहा था। यह तो हवा में लटक रहा था। खैर, तब मैं जान गया कि वह तो घर से आ रहा था। अत: मैंने रायफल कोने में सरका दी और अपनी टोपी कोने में नीचे फेंक दी, और मैं दण्डवत हो गया; मैंने कहा, "प्रभु, तू अपने सेवक पर क्या प्रकट करना चाहता है? और मैंने ध्यान दिया, एक और सेब आया, फिर एक और, और फिर एक और आया जब तक कि वहां पांच न लटकने लगे। तब एक बड़ा और शानदार सेब उतर आया, तकरीबन इतना बड़ा, वह पीला था और उस पर लाल धारियां थीं, वह दिखने में सुंदर एक पुष्ट सेब था। और इसने इस तरह से एक बड़ा झपट्टा मारा और उनमे से एक को निगल लिया, और दूसरे को, तीसरे को, चौथे को और तब पांचवें को। और सेब चला गया; और इसके ऊपर, जहां वह सेब था, वहां यह लटक रहा था। यह ऐसे जा रहा था, "व्हयूयू।" [भाई ब्रनहाम मुँह से उड़ने की आवाज निकालते हैं-संपा.] मैं पूर्ण रूप से शांत बना रहा। मैंने कहा, "प्रभु, तू अपने सेवक से क्या करवाना चाहता है?"

और उसने कहा, "उठ और जाकर भाई हाल से कह कि **यहोवा यूं फरमाता है**, वह न मरेगा वरन जीवित रहेगा।" उस दिन गिलहरियों का कोई शिकार नहीं होना था।

मैंने अपनी पोशाक झटके से उतार दी, गया और अपनी पत्नि को जगाया। वह यहीं कहीं बैठी हुई है। मैंने कहा, ''प्रिय, मैंने अभी एक दर्शन देखा है। भाई हाल जीवित रहने जा रहे हैं।''

और उसने कहा, ''क्या वह?''

मैंने कहा, ''वह जीवित रहेंगे। वह...?... कुछ भी यह रोक नहीं सकता है।''

17 अत: मैंने अपने दूसरे वस्त्र धारण किए और वहां गया। और वे बस अपने हाथों को रगड़ रहे थे, और वह रो रहा था। और मैंने कहा, ''खैर...''

मैं भीतर गया। कुमारी हाल ने कहा, ''ओह, भाई बिली, वह प्रस्थान तय कर रहे हैं।''उसने कहा, ''वह-हम पूरी रात्रि उसके प्रयाण की बाट जोहते रहे हैं।''

और मैंने कहा, ''तुम सोचती हो कि वह मुझे पहचानेंगे?''

उसने कहा, ''ओह, मैं सोचती हूँ वह पहचान लेंगे।''

और मैं भीतर गया। मैंने कहा, ''सभी लोगों को अहाते के अंदर बाहर से इकट्ठा करो,''जहां वे उसके साथ स्थापित रहे हैं। मैंने कहा, ''उनको घर के भीतर ले आओ क्योंकि मेरे पास **यहोवा यूं फर्माता है**।''

उसने कहा, ''क्या यह अच्छा है?''

मैंने कहा, ''हां'' और उस बेचारी ने चिल्लाना और घुटनों पर गिरना आरम्भ कर दिया। मैंने कहा, ''अब आओ और पास में खड़ी हो।'' मैंने कहा, ''भाई हाल, क्या तुम मुझे सुन सकते हो?''

और उन्होंने कहना जारी रखा ''मैटी, मैटी।'' वह उनकी पत्नि थी।

और उसने कहा, ''यह भाई बिल तुमसे बात कर रहे हैं।''

अत: मैंने कहा, ''भाई हाल, तुम मुझे सुन रहे हो?''मैं उसे हिला रहा था।

वह घूमा और उसकी निस्तेज आंखें, वह बोला, ''ओह भाई बिल, मुझे लगा मैं खत्म हो गया हूँ। ''कहा, ''मैं अभी तक गया नहीं हूँ?''

और मैंने कहा, ''और भाई हाल अब तुम जा भी नहीं रहे हो।'' मैंने कहा, ''थोड़े समय पूर्व,मैंने शिकार के लिए जाने वाला था...'' और मैंने दर्शन उसके साम्हने

दोहराया। मैंने कहा, ''भाई हाल, कितने समय से तुम रोगी हो?''

उसने कहा, ''मैटी, कितने समय से मैं रोगी हूँ?''

उसने कहा, ''अब, हम देखें। निर्विवाद रूप से तुम उस माह में रोगग्रस्त हो गए थे। यह बिलकुल ठीक-ठीक पांच माह थे।''

मैंने कहा, ''यह वही है जो मैंने सोचा था: वे पांच छोटे गांठदार सेब।'' परन्तु, ''**परमेश्वर का पवित्र-आत्मा यूं फर्माता है**, तुम जीवित रहने जा रहे हो।''

18 और नगर का न्यायधीश, पूर्व न्यायधीश, उसकी बहन श्री हाल के भाई की विवाहिता हैं, अत: वह वहां थी, और उसने कहा, ''अपने अंदर कैंसर लिए हुए व्यक्ति किस तरह जीवित रह सकता है?''

मैंने कहा, ''मैं नहीं जानता हूँ, परन्तु परमेश्वर ने कहा कि वह जीवित रहने जा रहा था और यह संतुष्ट करता है। जब वह इसे कहता है तो यह होने जा रहा है।''

उसने कहा, ''तुम्हारा तात्पर्य है कि वह जीवित रहने जा रहा है?''

मैंने कहा, ''जी हां, महोदया।'' और मैं बहुत ही आनन्दित, मुड़ा और बाहर चल दिया, भाई कॉक्स एवं हम सभी, और हम बाहर गए और कार में बैठ गए। और बेचारा भाई हाल केवल- अपने निर्बल हाथों के साथ, और उन्हें इस तरह ऊपर पकड़े हुए; कह रहा था, ''धन्यवाद प्रिय यीशु। मैं तब तक प्रचार करता रहूँगा जब तक तू मुझे प्रचार के श्वास प्रदान करेगा। और यह कभी हो परमेश्वर की स्तुति करता रहूँगा, इससे पहले कि कुछ घटित हो।'' परन्तु परमेश्वर ने यह पहले ही कहा था।

19 और मैं घर गया और मैंने डाक्टर को फोन किया। मैंने कहा, ''डा.सैम...'' यदि आप चाहें तो उसे फोन कर सकते हो, वह डा. सैम अडाएर हैं जो जैफरसनविल में हैं, यदि आप चाहें तो, वह...?... का वहां एक बड़ा चिकित्सालय है। समझे? मैंने कहा, ''डा. सैम...''

उसने कहा, ''जी हां?''

मैंने कहा, ''तुम रेव्ह.श्रीमान हाल को जानते हो जिनहें तुमने कह दिया था कि वे चार दिनों में नाव से छलांग मारने वाले हैं?''

उसने कहा, ''जी हां, वह करेगा।''

मैंने कहा, ''नहीं, वह नहीं करेगा।'' मैंने कहा, ''वह जीवित रहने वाला है।''

उसने कहा, ''ओह बिली, अपने मेहदे के ऊपर कैंसर को लिए हुए वह कैसे जीवित रह सकता है?''

मैंने कहा, ''मुझे नहीं पता, पर परमेश्वर ने अभी मुझे एक दर्शन दिखाया है।'' मैंने कहा, ''डा.अडाएर, कितनी बार तुमने इसे देखा है?''

उसने कहा, ''बिली, ऐसा है,'' उसने कहा, ''पुत्र, मैं तुम्हारे शब्दों पर संदेह नहीं करना चाहता, पर देखो पुराने चिकित्सक को वह देखना होगा।''

मैंने कहा, ''ठीक है,जब तक तुम इसे देख न लो तुम वृद्धावस्था से नहीं मरोगे।''

और उसने कहा, ''खैर यह कब होने जा रहा है?''

मैंने कहा, ''मुझे नहीं पता।''

उसने कहा, ''क्या वह चंगा हो चुका है?''

मैंने कहा, ''मुझे नहीं पता, परन्तु परमेश्वर ने कहा कि वह कैन्सर से मरने नहीं जा रहा है। और वह मरने नहीं जा रहा है।''

उसने कहा, ''मुझे इसे देखना होगा।''

मैंने कहा, ''तुम इसे देखोगे।''

उसने कहा, ''तुम कब जा रहे हो?''

मैंने बताया, ''कल।''

20 मैं छः सप्ताह तक बाहर रहा। मैं वापस आया और हमारे पास जैफरसनविल हाइस्कूल के जिमखाने में एक रात्रि थी। और वहां पर चार हज़ार लोग अंदर थे और लगभग चार हज़ार बाहर थे। और अगले दिन को मैं अफ्रीका जाने हेतु न्यूयार्क जाने के लिए तय कर रहा था। और जैसे ही मैं मंच पर पहुंचा, यह समय; मैं अपराह्न वहां पहुंचा था और सभा में चला गया। और मेरा पुत्र और वे मुझे भीतर ले गए। मैं मंच पर पहुंचा। और जब हम सभा में थे तो उन्हें जल्दी करना था और प्रार्थना कार्ड देने थे, क्योंकि हम तभी पहुंचे थे। लोग सड़कों पर ठसाठस भरे हुए थे।

और मैंने दृष्टि की और डा. डिलमैन को वहां बैठे हुए देखा जो कोरीडोन से थे। मैंने कहा, ''मैं आपको देख कर प्रसन्न हूँ डा. डिलमैन'' उसने अपने सिर को झुकाया।

और मैंने जैफरसनविल के डा. बालडेन को बैठे हुए देखा उसकी पत्नि हाल ही में अस्थमा से चंगी हुई थी मेरे घर में बैठी हुई थी। मेरे घर पर डा. ने मुझे बाहों में भर लिया और रो पड़े थे। उसने कहा था, ''बिली, वह उतनी ही सामान्य है जितनी वह हो सकती थी।''

मैंने कहा, ''डा. बालडेन, मैं आपको देख कर प्रसन्न हूँ।'' उसने अपने सिर को हिलाया। और मैंने बिलकुल पीछे डा. सैम अडाएर को खड़े देखा: वह भीतर नहीं आ पाए थे; वह प्रवेशमार्ग पर खड़े थे और मैंने कहा, ''मैं आपको देख कर प्रसन्न हूँ डा.अडाएर।'' और वह... और मैंने दृष्टि की और देखा वहां पर भाई हाल बैठे थे। और मैंने कहा, ''डा. डिलमैन आपको अपने रोगी श्रीमान हाल स्मरण हैं?''

''जी हां, श्रीमान।''

और मैंने कहा, ''डा. अडाएर, जो मैंने कहा था तुम्हें स्मरण है कि वह जीवित रहने जा रहा है?''

उसने कहा, ''जी हां।''

मैंने कहा, ''तुमने कहा था कि तुम्हें यह देखना होगा, क्या नहीं कहा था?''

''जी हां''

मैंने कहा, ''भाई हाल, क्या तुम गवाही देना चाहोगे?''

उसने कहा, ''ओह, परमेश्वर की प्रशंसा होवे।'' उसने कहा, ''गवाही?'' उसने कहा, ''मेरा वजन 35 पाउन्ड बढ़ गया है। वह वहां खड़ा था, और मैं तुम्हें बताता हूँ कि इसे आरम्भ करने के लिए यह सही है। और वह...''

वे और डाक्टर उस व्यक्ति को अस्पताल ले गए और उसका एक्स-रे किया और हर वह प्रयत्न किया जो वह कर सकते थे तौभी कैंसर का एक कण तक न पा सके। उसका वजन एक सौ पिचासी पाउंड हो गया था। यह दो वर्ष पहले की बात है और उसका स्वास्थय बिलकुल ठीक है, आज रात्रि वह मिलटाउन, इंडियाना में रह रहा है। मेरे खर्चे पर उसे फोन करो। जार्ज कार्टर के साथ...

21 वैसे, उस चिकित्सक से बात करने पर... यदि तुम उसे फोन करो तो उससे इस विषय में पूछना। कुछ दिनों पहले... चाहे वह मुझे श्रोताओं के बीच में यह बताने के लिए सराहे या नहीं परन्तु वह एक भला व्यक्ति है। और स्मरण रखें तुम जो

चिकित्सकों की आलोचना करते हो, सतर्क रहो कि तुम क्या कर रहे हो। उनमें से बहुतेरे भले विश्वासी मसीही जन हैं।

जब मैं अफ्रीका में गया, मैं वहां केवल एक रात्रि के लिए था, और चिकित्सकीय समिति ने मुझे आगामी सुबह फोन किया, मेरी ओर सहभागिता का हाथ बढ़ाया और कहा, ''सम्पूर्ण दक्षिण अफ्रीका के अस्पतालों के द्वार तुम्हारे लिए खुले हुए है।'' कहा, ''वह वास्तविक दिव्य चंगाई थी और हम इस पर इसी तरह विश्वास करते हैं।''

कहा, ''धन्यवाद।'' यह सही है। और वे आए और उन्होंने नाश्ता करा–चाहते–नाश्ता करना चाहते थे। अवश्य ही, मैं– उन कुछ थका डालने वाली सभाओं के कारण तुम नहीं खाते हो– केवल प्रभु के आत्मा की प्रतीक्षा करते हो।

22 चिकित्सक मेरे घर आया, और उसने कहा... मेरी पत्नि आयी, बोली, ''बाहर डयोढ़ी पर डा. अडाएर हैं, वह तुमसे मिलना चाहते हैं।'' और कुछ लोग कक्ष में मेरे साथ थे। मैंने कहा, ''उन्हें निजी कक्ष में बैठाओ।'' मैं जान गया था कि कुछ बात है। मैं बाहर गया। मैंने कहा, ''मामला क्या है डाक्टर?''

उन्होंने मुझे बताया। और वह खरीदने का प्रयत्न कर रहे थे... कहा, ''बिली, सोचो इस नगर में किसी चिकित्सालय की आवश्यक्ता है?''

मैंने कहा, ''प्रत्येक नगर को एक चिकित्सालय की आवश्यक्ता है।''

उसने कहा, ''इसमें कोई अच्छा चिकित्सक होना चाहिए?''

मैंने कहा, ''प्रत्येक नगर में।''

उसने कहा, ''क्या तुम सोचते हो कि मैं एक योग्य डाक्टर माना जाऊंगा?''

मैंने कहा, ''मैं किसी और को अधिक योग्य नहीं पाता।'' मैंने कहा, ''तुम सहानुभूतिशील हो।''

उसने कहा, ''बिली, मेरे अधिकतर रोगी निर्धन लोग हैं।'' कहा, ''मैं चर्च उतना नहीं जाता जितना जाना चाहिए।'' परन्तु कहा, ''यदि उन्हें शल्यचिकित्सा की आवश्यक्ता होती है तो वे आते हैं और मैं कर देता हूँ, मैं इसके लिए उनसे कोई धन भी नहीं लेता। तुम यह जानते हो।'' कहा, ''यह– इस तरीके से मैं परमेश्वर की सेवा करता हूँ।''

मैंने कहा, ''खैर, वह इसे करने का उचित तरीका नहीं है, पर यह अच्छा है; यह अच्छा है।'' और मैंने कहा, ''वह तरीका जिससे तुम्हें यह करना है वह है परमेश्वर की

सेवा हेतु नया जन्म प्राप्त करना।''

23 और उसने कहा, ''वैसे, मैं तुमसे एक प्रश्न पूछने आया हूँ।'' कहा, ''मैंने बाइबल में पढ़ा है जहां वे आते थे और लोगों से विभिन्न बातों को पूछते थे, जैसे कि वे परामर्श कर रहे हों।'' कहा, ''मुझे एक समस्या है।'' और उसने मुझे उस स्थान के विषय में बताया जहां वो अपना चिकित्सालय स्थापित करना चाहता था और वह उस स्थान को नहीं ले सका; वह महिला उसे वह स्थान नहीं लेने देगी।

मैंने कहा, ''आओ प्रार्थना करें।'' अतः हम झुके और प्रार्थना करी।

उसने कहा, ''नगर में और कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां मैं इसे ले जा सकूं।'' और यह एक बहुत खराब जिले में था। मैं इसे पसंद नहीं करता इसे वहां नहीं होना चाहिए। जब मैं प्रार्थना कर रहा था तो मैंने एक दूसरे स्थान को वॉल एंड मार्केट में देखा। दर्शन में मैंने लाल ईंटों से बने चिकित्सालय को वहां स्थापित देखा। और प्रार्थना के पश्चात, मैंने कहा, ''डा.अडाएर, उस स्थान के विषय में भूल जाएं। यह बड़ा भूखंड जो वाल एंड मेपल के सिरे पर है वह नगर का सर्वश्रेष्ठ स्थान है। परमेश्वर तुम्हें वह देता है।''

उसने कहा, ''बिली,'' कहा, ''पुत्र,'' कहा, ''मैं पिछले छः सप्ताह से न्यायालय के माध्यम से उसे पाने की कोशिश कर रहा हूँ।'' कहा, ''उसे पच्चीस वर्षों तक छुआ नहीं जा सकता।'' कहा, ''यह बोस्टन या कहीं और पर वारिसों के मध्य फंसा है, और,'' कहा, ''इसे पच्चीस साल तक छुआ नहीं जा सकता।''

मैंने कहा, ''डा.अडाएर, उसने मुझे अभी बताया है कि वह तुम्हारा है। और तुम वहां पर एक लाल ईंटों से बने चिकित्सालय की स्थापना करने जा रहे हो।''

उसने कहा, ''पुत्र,'' कहा, ''मैं–मैं नहीं समझ पा रहा हूँ कि यह कैसे हो सकता है।''

और मैंने कहा, ''खैर, उसने अभी ये ही कहा है।''

''वैसे,'' उसने यह कहा, ''मैं अभी दो दिन पहले ही इसके न्यायिक वाद से आया हूँ।'' उसने कहा, ''इसे नहीं छुआ जा सकता।'' कहा, ''इसके लिए प्रयत्न करने की कोई आवश्यक्ता नहीं है।''

मैंने कहा, ''खैर, बस मुझसे तर्क न करो; जाओ और जो मैंने तुम्हें बताया है उस पर विश्वास करो, क्योंकि प्रभु ने इसे तुम को प्रदान कर दिया है।''

24 अगली प्रातः फोन की घन्टी बजी और उसने मुझसे बात की। उसने कहा,

''बिली'' मैं मृत्यु की सीमा तक सकपकाया हुआ हूँ।''

मैंने कहा, ''तुम्हारे साथ क्या मसला हुआ है?''

उसने कहा, ''मेरे भीतर ठंडी लहरें दौड़ रही हैं।'' कहा, ''विगत रात्रि बोस्टन में उनकी एक सभा थी, और उन्होंने वह भूखंड बिक्री के लिए रख दिया, और आज प्रात: मैं उसे खरीद भी चुका हूँ।'' और आज रात्रि, इसे लगभग आठ महीने हो गए हैं, और ठीक उसी स्थान पर आज एक बड़ा अच्छा आयुर्विज्ञान चिकित्सालय स्थापित है, यह लाल ईंटों से बिलकुल वैसा ही बना हुआ है जैसा प्रभु ने दर्शाया था।

कल, जाने के पश्चात या परसों वहां जाने के पश्चात, मैं वहां था और उससे बातें कर रहा था, और हम इस पर पुन: विचार कर रहे थे, उसने कहा, ''बिली, मैंने हज़ारों लोगों को जो यहां आते जाते रहते हैं बताया है कि उस रात्रि परमेश्वर ने मेरे लिए क्या किया।''

25 परमेश्वर के पास निष्ठापूर्वक आओ। किसी बात पर संदेह न करो। परमेश्वर पर भरोसा रखो। अब, जब परमेश्वर दर्शाता है तो परमेश्वर करता है। परमेश्वर जो कहता है, परमेश्वर अपने वचन के अधीन है। अब, मसीही मित्रों, यह प्रथम है। यह परमेश्वर का वचन है। किसी भी प्रकार का सेवा कार्य जो इसके अलावा किसी अन्य पर निर्मित हुआ हो वह भ्रांति में है। यह परमेश्वर का वचन है, यह प्रधानत:, प्रथम और मूलतत्व है।

परन्तु तब, परमेश्वर अपने सेवक के द्वारा वरदानों में बात कर सकता है। क्या तुम विश्वास करते हो? तब वह जो इस रीति से बोलेगा कि जिन बातों की गवाही मैं दे रहा हूँ, वह परमेश्वर का वचन है, दूसरी बात। और यदि परमेश्वर करने के लिए तुम्हें कोई बात बताता है तो तुम उसे करो। यदि तुम उसे करने में असफल हो जाते हो तो यह ऐसा होगा कि तुम यहां उसके वचन में कार्य करने में असफल हो गए हो। उसने कहा, ''हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा,'' और तुम आने में असफल हो जाते हो, तुम बस केवल-उस वचन ने तुम्हारे लिए कुछ भला नहीं किया। परन्तु वह तुम्हें एक निमंत्रण देता है, उसने तुम्हें बुलाया है, और तुम नहीं आए। अत: तब यह कुछ भला नहीं करेगा।

अत: जबकि पवित्र-आत्मा लोगों के मध्य मंडरा रहा है तो हमारे प्रिय प्रभु यीशु के नाम में मुझे तुमसे कहने दें कि आज रात्रि उसे अपने संपूर्ण मन से प्रेम करो। यदि

आज रात्रि वह यहां होता तो वह बिलकुल वही काम करता जो उसने गलील के तटों पर, येरुशलेम नगर में, कफरनहूम और सारे गलील में किए थे। वह... यहूदिया में, वह बिलकुल वही काम करता और यह उसका वक्तव्य था।

26 अब कुछ नवागुंतको हेतु, जो प्रथम अवसर पर यहां हैं, मैं इसे फिर से उद्धत करूंगा। यीशु ने एक दिव्य चंगाईकर्ता होने का दावा नहीं किया, और कोई भी मनुष्य इस धरती के ऊपर यह दावा नहीं कर सकता, और कोई ठीक ठीक यह दावा नहीं कर सकता कि वह दिव्य चंगाईकर्ता है क्योंकि कोई दिव्य चंगाईकर्ता नहीं है। केवल परमेश्वर स्वयंमेव चंगाईकर्ता है। यीशु ने कहा, ''पुत्र कुछ नहीं कर सकता। यह पिता है जो उसमें वास करता है; वह कार्य करता है।'' क्या यह सही है? यह वो है जो कार्य करता है। यीशु ने कहा, अब यदि...

यीशु अपंगों, नेत्रहीनों, विकृत अंगो, लंगड़ों, लूलों और सब प्रकार के लोगों के पास से होकर गुज़रा और कभी उन्हें चंगा नहीं किया। बाइबल उसके ऐसा करने के विषय में बताती है: वह बैथशेदा के कुंड पर गया जहां असंख्य लोग, जितने आज रात्रि यहां है उससे कई गुणा अधिक लोग, अपंग, नेत्रहीन, लंगड़े, क्लांत पानी के हिलने की प्रतीक्षा में थे और उसने उनमें से एक को भी चंगा नहीं किया: वह पटिया पर पड़े एक मनुष्य के पास गया और उसे चंगा किया तथा वहां से चला गया। जब उसमें उनके लिए अत्यधिक करुणा थी तो कैसे वह उन सबको अनदेखा करके गुजर गया? क्योंकि उसने कहा, ''जब तक पिता ही मुझे न दिखाए मैं कुछ नहीं कर सकता।'' संत यूहन्ना 5:19. ''इस पर यीशु ने उनसे कहा, मैं तुम से सच सच कहता हूँ, पुत्र आप से कुछ नहीं कर सकता, केवल वह जो पिता को करते देखता है, क्योंकि जिन जिन कामों को वह करता है उन्हें पुत्र भी उसी रीति से करता है।''

यदि तुम वचन में ध्यानपूर्वक पढ़ो, यह सभी कालों में ऐसा ही रहा है, चमत्कार मनुष्य की इच्छा के अनुसार नहीं किए गए हैं, यह परमेश्वर की इच्छा के द्वारा हुए हैं। परमेश्वर दर्शन दिखाता है, लोगों को व्यवस्थित करता है और उन्हें बताता है... गिद्दौन, और बाकि सब, जैसे एलिय्याह...

कोई व्यक्ति आता है और कहता है, ''ठीक है, हम आवश्यक्ता-''

27 एक बार, मेरे प्रबंधकों में से एक था, यह भाई बैक्सटर नहीं, परन्तु यह कोई और व्यक्ति था जो हमारे साथ था, वह क्षेत्रिय प्रबंधकों में से एक था। और एक समाचार

पत्र ने एक बहुत ही आलोचनात्मक वक्तव्य छापा जो पूर्ण रूपेण असत्य था। मैं मित्रता पूर्ण आलोचना की अपेक्षा कर सकता हूँ; परन्तु वह आलोचना उपयुक्त नहीं थी क्योंकि वह असत्य थी। जब तक वह सत्य है वह ठीक है। परन्तु वह सत्य नहीं थी। और इस प्रबंधक ने कहा; ''तुम वहां क्यों नहीं जाते और घुटनों पर होकर परमेश्वर से कहते कि उस स्थान को भस्म कर दे?''

मैंने कहा, ''ओह, भाई, मत सोचो...''

उसने कहा, ''आज हमें जिस चीज की आवश्यक्ता है वह है कुछ और एलिय्याह हों।'' कहा, ''एलिय्याह स्वर्ग से अग्नि को बुला लेता।'' कहा, ''वह-जैसा उसने उन पचास के साथ किया था।'' खैर, उस भाई ने गलत समझा था। समझे? एलिय्याह ने तब तक स्वर्ग से अग्नि को नहीं पुकारा था जब तक कि परमेश्वर ने उसे दर्शा नहीं दिया था।

उसने कहा, ''ओह, भाई ब्रनहाम,'' कहा, ''एलिय्याह बस वहां बाहर गया और साहसपूर्ण चुनौती दी, ''बाहर आओ और प्रमाणित करो कि कौन परमेश्वर है।''

मैंने कहा, ''नहीं, उसने कभी नहीं किया।'' सर्वप्रथम परमेश्वर ने उसे दर्शाया।

''ओह,'' उसने कहा, ''उसने कभी कोई दर्शन नहीं देखा।''

मैंने कहा, ''हां, उसने देखा था।'' मैंने कहा, ''जब उसने कहा, जब उसने सब-अपना बैल और अन्य सामग्री वेदी पर रख दी और उस पर जलाभिषेक कर दिया तब वह बाहर गया और उसने कहा, ''परमेश्वर मैंने यह तेरी आज्ञा पर किया है।'' क्या यह सही है? तब अग्नि उंडलनी आरम्भ हुई, तब जब उसने सब कुछ पूर्ण कर लिया। समझे? सर्वप्रथम इसे दर्शाया जाना होगा।

28 अब, प्रथम बात, प्ररमेश्वर का वचन कहता है कि यीशु ने उन्नीस सौ वर्ष पहले कलवरी पर अपनी मृत्यु समय तुम्हें चंगा किया। परमेश्वर का वचन इसकी शिक्षा देता है। क्या यह सही है? ठीक है। बिलकुल वैसे ही, ''वह तुम्हारे अधर्म के कारण घायल हुआ... '' [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]

तुम मेरे साथ तर्क करना चाहते हो? वहां जो वयक्ति है। और मैं उसे नहीं देखता; उसे देखना मेरे लिए असंभव है। क्यों? मेरे पास एक दूसरी चेतना है, और वह चेतना अनुभूति है। और मेरी अनुभूति मेरे देखने की तरह प्रत्यक्ष है। क्या यह सही है? अत: अब, मैं उसे नहीं देखता हूँ। मेरे लिए उसे देखना असंभव है, परन्तु वह वहां है क्योंकि

मैंने उसका अहसास किया है।

अब, मेरे लिए उसे अनुभूत करना असंभव है; वह मेरी पहुंच के बाहर है; परन्तु दृष्टिय अवलोकन के माध्यम से मैं जानता हूँ वह वहां है। अब, एक मानवीय देह को कितनी चेतनाएं नियंत्रित करती हैं? पांच: दृष्टि, आस्वादन, स्पर्श, गंध, श्रवण। क्या यह सही है? अब, मैं अब उसे देखता हूँ। मेरी दृष्टि-दृष्टि की मेरी चेतना बताती है कि वह वहां है, परन्तु अहसास की मेरी चेतना सक्रिय नहीं है। अब, अहसास की चेतना के द्वारा मैं जानता हूँ कि वह वहां है और उसके लिए मेरी दृष्टि निष्क्रिय है। तुम्हें बहुत धन्यवाद।

पियानो के किसी बटन को दबाएं, श्रीमान, क्या आप ऐसा करेंगे? [वह व्यक्ति कुछ बटनों को दबाता है-संपा.] बस... कितनों ने इसे सुना? कितनों ने इसे देखा? नही, तुमने इसे नहीं देखा। तुम इसे नहीं देख सकते। तो कैसे तुमने जाना कि वह एक- वह एक संगीतांश था? तुमने कैसे जाना कि यह-वह पियानो था? क्या तुमने इसे हवा में होकर आता हुआ देखा? इसका स्वाद लिया? स्पर्श किया? सूंघा? परन्तु तुम जानते थे कि यह वहां था, क्या नही? तुमने इसे सुना। क्या यह सही है?

29 अब देखिए, विश्वास क्या है? विश्वास एक छठी चेतना है। पांच चेतनाएं मनुष्य को नियंत्रित करती हैं। परमेश्वर ने मनुष्य को अपने पार्थिव निवास को नियंत्रित करने के लिए पांच चेतनाओं में रखा। अपनी पांच चेतनाओं के साथ तुम परमेश्वर से संपर्क नहीं कर सकते। तुम विश्वास के द्वारा परमेश्वर को जान पाते हो जो छठी चेतना है, जो कि... प्राण की दो चेतनाएं होती हैं: विश्वास और अविश्वास। और यदि तुम विश्वास के कब्ज़े में हो, विश्वास बिलकुल उसी तरह वास्तविक है- तुम्हारे लिए दृष्टि से बढ़कर वास्तविक्ता है।

यदि आज रात्रि तुम यह विश्वास करते हो कि यह कमीज श्वेत है, यदि तुम्हें दृष्टि प्राप्त है और तुम्हारी दृष्टि में विश्वास है, और तुम यह कहते हो कि कमीज श्वेत है... यदि तुम विश्वास करते हो कि यीशु मसीह ने तुम्हें कलवरी पर चंगा कर दिया है, बस-और तुम्हारा विश्वास तुम्हें वैसा ही घोषित करेगा जैसा तुम्हारी दृष्टि इसे करती है, तो तुम इसी समय चंगे हो गए हो। यह समाप्त हुआ। समझे? विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का मूल और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है, जिनका तुम स्वाद, स्पर्श, गंध और न ही श्रवण कर सकते हो। तुम इस पर विश्वास करते हो। कहते हो, "खैर, मैंने कुछ अंतर महसूस नहीं किया है।" आप कोई अलग महसूस के लिए अपेक्षित नहीं हैं। आप विश्वास करने के लिए अपेक्षित हैं।

क्या यह सही है? प्रभु तुम्हें आशीष दे। परमेश्वर पर विश्वास रखो।

30 अब ऐसा मत दिखाओ कि तुम्हें विश्वास की प्राप्ति हो गई है। वास्तव में विश्वास प्राप्त करो। और आज रात्रि मैं स्वर्गीय पिता को अपने सम्पूर्ण मन से धन्यवाद करता हूँ कि उसने अपनी प्रजा को अपना प्रकटीकरण-अपने वचन के द्वारा, अपनी सामर्थ के द्वारा, अपने वरदानों के द्वारा प्रदान किया है, और जिस दिन में हम रह रहे हैं उसमें यह दर्शाने के लिए कि वह कल, आज और अनंतकाल तक एक समान है। हम अपने सिरों को झुकाएंगे। इतना अधिक समय ले लेने के लिए मुझे खेद है।

स्वर्गिय पिता, आज रात्रि पवित्र आत्मा को महान सामर्थ के साथ भेज। अपने वचन की प्रत्येक स्थान पर पुष्टि कर। होने दे कि प्रत्येक वह जन जो इस भवन में है वह बाहर चलता हुआ, कुदालें मारता हुआ और परमेश्वर की प्रशंसा करता हुआ जाए। होने दे कि वह कल नगर में गवाही दे रहे हों। अब सभा समाप्त होने को है। और परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूँ वह कुछ ऐसा करेगा जिससे एक पुरानी रीति की बेदारी इस नगर में और सम्पूर्ण देश में आरम्भ हो सके। हमें यह प्रदान करें प्रभु। हम जानते हैं कि यीशु आ रहा है। हम नहीं जानते कि कब, परन्तु हम विश्वास करते हैं कि यह शीघ्र है। और मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू लोगों को तैयार कर। यदि आज रात्रि यहां पापी हैं, यहां तक कि सब रोगियों की चंगाई हेतु, प्रदान करें कि पापी आज रात्रि विश्वासी हो जाएं, और मसीह को अपने निज उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। प्रभु हमें प्रदान करें। हमारी सुन और प्रार्थना का उत्तर दे।

और वह प्रिय यीशु, तेरा परमप्रिय पुत्र, हमारा उद्धारकर्ता आज रात्रि आ सके और अपने लोगों के मध्य निवास करे और उनके सम्मुख वही चिह्न और चमत्कार करे जो उसने एक मानवीय देह में रहते हुए किए थे। उसने कहा, "और थोड़ी देर रह गई है और यह संसार मुझे और न देखेगा। तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, यहां तक कि संसार के अंत तक मैं तुम में होऊंगा।" पिता, आज रात्रि हमें यह प्रदान करें, यह हम उसके नाम में मांगते हैं। आमीन।

31 [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.] जैसा तू कर सके। प्रार्थना करो। परमेश्वर पर विश्वास करो। हमारे पास वहां के लिए तुम्हारे नाम और पता हैं, इसकी समाप्ति के पश्चात हम तुम्हें पत्र लिखना चाहते हैं। तुमने देखा क्या हुआ है, देखा- तुम कैसे हो रहे हो। अब, केवल परमेश्वर तुम्हारी सहायता कर सकता है। हम सब यह जानते हैं। और अब,

वास्तविक रूप से विनीत बने रहें और एक बार गुनगुनाएं-मैं देर तक बोला हूँ और मैं-उसकी उपस्थिती के लिए प्रतीक्षा कर रहा हूँ। कृपया गुनगुनाएं, ''केवल विश्वास।'' अब हम सब एक साथ, थोड़ी धीमी गति में...

केवल विश्वास,

सब कुछ संभव है, केवल विश्वास,

केवल विश्वास, केव... [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]

32 ... आलोचकों। एक बालक था जिसे मिरगी का रोग था। और उन्होंने उसे एक गुदड़ी में पिन लगाकर उसे लपेटा हुआ था। उसे मंच पर ही दौरा पड़ गया था। और मैंने हमारे स्वर्गीय पिता से कहा। मैंने कहा, ''क्या तुम सब अपने सिरों को झुकाओगे?'' और तौभी वहां कुछ विद्वेष था, तुम इसे महसूस कर सकते हो, संभवतय:, इस भवन की लम्बाई के बराबर। वहां पर अट्ठाइस हज़ार लोग थे, अत: वे उस स्थान के अहाते तक फैले हुए थे। बस विद्वेष आता रहा। और मैंने देखा। यह एक सेवादार और उसके आठ, दस लोग थे। और मैंने एक संचालक से कहा; मैंने कहा, ''जाओ, उस सेवादार का सिर नीचे करवाओ।''

संचालक कुछ क्षणों में वापस लौट कर आया और बोला उसने कहा है, ''यह आराधना का एक सार्वजनिक स्थल है और उसे ऐसा करने की आवश्यक्ता नहीं है।''

मैंने कहा, ''श्रीमान, क्या तुम अपना सिर नहीं झुकाओगे?'' उसने कहा... वह अपना सिर ऊपर उठाए बैठा रहा। मैंने कहा, ''ठीक है। तुम-तुम-यह तुम्हारा अमेरिकी विशेषाधिकार है, परन्तु स्मरण रहे, मैं उत्तरदायी नहीं हूँ।''

और वह छोटा बालक एक सख्त दौरे में था, मैंने कहा, ''स्वर्गीय पिता, दोषियों के लिए निर्दोषों को पीड़ित न होने दे। मैं तुझसे तेरे पुत्र यीशु के नाम में छोटे बालक की चंगाई मांगता हूँ।'' उस ऐंठन ने छोटे बालक को छोड़ दिया। और मैंने कहा, ''खैर, हम बहुत धन्यवादित हैं।'' और छोटा बालक विदा हुआ। और मैंने हुल्लड़ सुना, और वह पूरे समूह को वहीं और आसपास मिर्गी का दौरा पड़ा।

33 अब, तुम-तुम बस रिचर्ड टी. रीड जो जोन्सबोरो, अरकन्सास में ब्लैसेड ओल्ड बाइबल आवर टैबरनेकल में हैं, को पत्र लिखो और देखो। समूचे समूह को मिर्गी हो गई और अभी तक उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ते हैं। मैं उन में से कुछ वक्तव्यों को साबित

कर सकता हूँ जो मैं सरकारी आंकड़ों से-या सरकारी अभिलेखों से बता रहा हूँ: अधिकारी गण; एफ.बी.आई एजेन्ट्स जो उस सभा में आए थे और इसे देखा था और इसे अभिलेखित किया था। मित्रों हम चर्च का खेल नहीं खेल रहे है। अत: विनीत बने रहो। समझे? विनीत बने रहो।

34 अब, यह... [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.] तुम जो आज रात्रि विश्वास कर रहे हो कि प्रभु यीशु यहां इस भवन में है और तुम्हें ठीक कर सकता है? तुम विश्वास करते हो? तुम... तुम विश्वास करते हो कि वे चीजें जो तुम देखते और सुनते हो... क्या यह तुम्हारी पहली सभा है? तुम अन्य सभाओं में थे। ओह, तुम फ्लिन्ट, मिशिगन की सभा में थे। ठीक है। अब, केवल परमेश्वर ही तुम्हारी सहायता कर सकता है। अब, तुम- अभी मुझे बताया है कि तुम्हारी समस्या हृदय का एक विकार था। यह सत्य है। तुम... हो सकता है तब, तुमने मुझे बताया कि तुम्हारे साथ क्या समस्या थी, तो बस तुम्हारे विश्वास को जांचने के लिए हो सकता है कि प्रभु तुम्हें कुछ और बताए। तुम समझे? क्या तुम मेरा विश्वास करते हो कि मैं उसका भविष्यवक्ता हूँ? ''तुम करते हो। मैं यह विनयपूर्वक कहता हूँ, समझे?'' बस... क्योंकि उसने यह कहा, ''यदि तू लोगों का विश्वास अपने ऊपर करवा ले, और जब प्रार्थना करे तो निष्ठावान रहे, तब यह कार्य करेगा।''

तुम एक सेवादार भी हो। क्या यह सही है। जी हां श्रीमान। और क्या तुम अभी जलमार्ग से कहीं समुद्र पार से नहीं आए हो? परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। अब क्या तुम विश्वास करते हो? जाओ, अब तुम अपने हृदय विकार से चंगे हो जाओ। प्रभु तुम्हें आशीष दे। जी हां। परमेश्वर तुम्हारे साथ हो और तुम स्वस्थ होने जा रहे हो, और परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। आओ कहें, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो।''

35 समझे? थोड़ी सी बात करने के लिए। अब, मैं चाहता हूँ कि तुम वास्तविक रूप से विनीत बने रहो और अपने संपूर्ण मन से विश्वास करो। [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]

तुम विश्वास करते हो कि यह सत्य था? क्या तुम... तुम किसी के विषय में सोच रहे हो, क्या नहीं? तुम किसी के विषय में चिंतित हो। यह तुम्हारा शिशु है। क्या यह सही है? वह छोटा लड़का वहां लेटा हुआ है। केवल परमेश्वर पर विश्वास रखो। यदि तुम केवल विश्वास करोगे तो परमेश्वर यह कर सकता है।

ठीक है, बालक को लेकर आओ। बहन आप कैसी हो। क्या तुम अपने संपूर्ण मन

से विश्वास करती हो? मैं सच में विश्वास करता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि तुम एक विश्वासी हो। इस नज़रिए के साथ कोई भी निश्चित रूप से परमेश्वर के मन को स्पर्श कर सकता है। तुम-तुम अस्वस्थ हो और तुम- तुम्हारे रक्त में कुछ खराबी है: यह रक्तहीनता की स्थिती है। क्या यह सही नहीं है? तुम्हें दमा भी है। क्या यह सही नहीं है? और तुम-यह एक चिकित्सक के विषय में है। नहीं, वह चिकित्सक इस बालक को देख रहा है। क्या यह सही है? वह बालक भी रोगग्रस्त है। ओह, बालक की स्थिती तुम से बदतर है। बालक भी रक्तहीनता से पीड़ित है और यह बिगड़ चुका है। क्या यह सही नहीं है? और मैं चिकित्सक को सिर हिलाते हुए देखता हूँ। वह-चिकितसक बालक के लिए कुछ नहीं कर सकता है। वह... क्या यह सही है? यदि यह सही है तो अपना हाथ ऊपर उठाओ। क्या परमेश्वर तुम दोनों को स्वस्थ कर सकता है? क्या तुम तुम दोनों के लिए चंगाई को स्वीकार करती हो?

अब वह चिकित्सक जो कर सकता था उसने कर दिया है। वह उसके विषय में ईमानदार है। परन्तु अब परमेश्वर तुम्हारी सहायता कर सकता है। क्या तुम इस पर विश्वास करते हो? प्रभु यीशु, मैं इस प्रिय बालक और उसकी मां के लिए दया की गुहार लगाता हूँ। यह दोनों आज रात्रि घर जा सकें और तेरे कोड़े खाने से ये चंगे हो सकें। शैतान इन्हें स्पर्श कर पाने में सक्षम न हो सके। शैतान उन में निकल जा। यीशु मसीह नाम में आमीन। मेरी बहन, मैं तुम्हें आशीष देता हूँ। और मैं बालक को हमारे प्रभु यीशु मसीह नाम में आशीष देता हूँ, जो तुम्हारे और बालक के जीवन को जानता है। अब, तुम विश्वास करते हो कि तुम स्वस्थ होने जा रही हो? तुम इसे पाओगी। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। जाओ।

आओ कहें, "प्रभु यीशु मसीह का धन्यवाद हो।" आमीन।

36 यहां पर प्रत्येक जन को अभी विश्वास करना चाहिए। परमेश्वर का स्वर्गदूत जिसका चित्र इस समाचार पत्र पर है, जो इस समय संपूर्ण संसार में वैज्ञानिक रूप से जाना गया है, वह ठीक यहां श्रोताओं के मध्य में है। वह मुझसे कुछ फीट से ज्यादा दूर नहीं खड़ा है। किसी दिन न्याय के दिन पर तुम देखोगे कि मैंने तुम्हें सत्य बताया है कि वह अब ठीक यहां पर है और जो कोई उस पर विश्वास केगा वह उसे चंगा करेगा। यीशु मसीह पर विश्वास करो कि उसने तुम्हें चंगा किया है। परमेश्वर पर भरोसा रखो। परमेश्वर सब कुछ जानता है, क्या नहीं? उसका विश्वास करो।

वह महिला कहां है जो अभी चंगी हुई है-अपने शिशु के साथ चंगी हुई हैं? [टेप पर रिक्त स्थान- संपा.] मैंने ऐसा सोचा। मैंने तुम्हें उसके ऊपर एक साये में खड़े देखा। और मैंने चारों ओर देखा और सोचा, ''यहां पर वह महिला खड़ी हुई है।'' तब मैंने तुम्हें साथ देखा। तुम हृदय विकार से पीड़ित हो, क्या नहीं? अपनी सीट पर वापस जाओ। यह सही है। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। तुम्हें प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार करना होगा। भरोसा बनाए रखो। यदि तुम विश्वास करती हो तो सब कुछ सम्भव है।

37 तुम कैसे हो। उदर की समस्या है, क्या नहीं है? उंह-हूँ। जी हां श्रीमान। यह एक प्रकार का परजीवी है। यह तुम्हारे उदर में है और इसके कारण तुम्हें बहुत सी समस्याएं हैं। मैं जानता हूँ वे क्या हैं। मुझे भी यह हो चुकी हैं। जी हां, श्रीमान। पर प्रभु यीशु ने मुझे चंगा किया है पुत्र; वह तुम्हें भी कर सकता है। तुम एक लम्बा रास्ता तय करके तुम यहां शामिल होने आए हो, क्या नहीं? यहां आने के लिए तुमने दूसरों के वाहनों का सहारा लिया है। मैंने तुम्हें सड़कों पर विचरते देखा है तुम्हारे पास... क्या यह सही है? क्या तुम ऐसे देश से नहीं आए हो जहां पर बहुत से समतल प्रदेश या इसी तरह के मैदान हैं? मैं कहूँगा पश्चिम में कहीं से? क्या यह सही है? अब, घर जाओ, तुम स्वस्थ होने और फिर से एक सामान्य व्यक्ति होने जा रहे हो। पुत्र, तुम्हारे विश्वास से तुम्हें बचा लिया है। प्रभु के नाम में परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। जी हां, श्रीमान। ठीक है, अब जाओ। आओ कहें, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो।''

भरोसा रखें और प्रभु यीशु पर विश्वास करो। कितने लोग विश्वास करते हैं कि यीशु मृतकों में से जी उठा? क्या तुम विश्वास करते हो कि आज रात्रि वह यहां है, यह वही प्रभु यीशु है जो मृतकों में से जी उठा और लोगों के मध्य कार्य कर रहा है। खैर, उस पर भरोसा करो और वह यह प्रदान करेगा।

38 वो ही प्रभु यीशु जो मृतकों में से जी उठा... अब, देखो। जब वह मृतकों में से जीवित हुआ तो वह इम्माउस की अपनी राह पर गया, वहां और लोग भी थे। मैं कुछ क्षणों के लिए बातें करना चाहता हूँ। जब कभी कभी घोर अभिषेक होता है तो मैं स्वयं को जैसे एक साथ समेट नहीं पाता। परन्तु अब ध्यानपूर्वक सुने।

इम्माउस की राह पर वह कुछ शिष्यों से मिला और उन्होंने उसके साथ दिन भर बातें की। और जब उस रात्रि वहां पहुंचा तो उसने एक विशेष कार्य एक निश्चित तरीके से किया कि वे जान लें कि वह वही था। क्या यह सही है? अब,वह दिन भर तुम्हारे

साथ था। तुम में बहुतों के साथ वो वर्षों से था। क्या यह सही है? अब,उसके तरीकों पर ध्यान दो कि वह चीजों को कैसे करता है। यह... क्या तुमने अपने जीवन में उसे नहीं देखा है कि किस तरह वह चीजों को करता है? जब उसने तुम्हें दुर्घटना से बचाया; जब उसने तुम्हें रोग के तंत्र मंत्र से बचाया; जब तुम-तुम्हारे पास धन नहीं था और कोई तुम्हारे लिए किराने का सामान ले आया; तुम मेरा तात्पर्य जानते हो,क्या नहीं? इन्हीं तरीकों से वह चीजों को करता है। समझे? वह हमारे साथ है। वह मृतकों में से जी उठा। आज रात्रि वह यहां है। आमीन।

39 ठीक है। नौजवान आओ। अब, परमेश्वर पर भरोसा रखो और उस पर विश्वास करो। परमेश्वर सब चीजें प्रदान करेगा। अब, मैं एक क्षण के लिए तुमसे बात करना चाहता हूँ। तुम विश्वास करते हो कि जो तुमने देखा है वह सत्य है? करते हो? अब, शीघ्रता से, जब मेरी आत्मा तुम्हारी आत्मा से मिलने को जाती है तो कुछ तो गलत है...?... तुम एक रोगी व्यक्ति हो। तुम्हें मधुमेह है। क्या यह सही बात है। और तुम्हें तुम्हारे उारकर्ता के तौर पर यीशु मसीह की आवश्यक्ता है। एक पापी की तरह तुम्हें यीशु मसीह की एक उद्धारकर्ता के तौर पर आवश्यक्ता है। क्या यह सही बात है: नौजवान, आज रात्रि क्या तुम्हें तुम्हारे प्राण और देह के लिए एक रक्त आधान (Blood Transfusion) नहीं चाहिए? तुम्हें चाहिए? तुम अभी उसे अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करो, विश्वास करो कि तुम उसकी उपस्थिती में खड़े हुए हो। क्या तुम करते हो? यदि तुम उसे स्वीकार करते हो और इन लोगों को गवाही देते हो कि तुम अब मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार करते हो, दया की याचना कर रहे हो तो अपना हाथ उठाओ और लोगों की ओर मुड़ जाओ। यहां आओ। प्रभु यीशु, इसे क्षमा कर और हर एक अधर्म और पाप को क्षमा कर। परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू इस लड़के को क्षमा करेगा, और यह यहां से जा सके और एक पूरी तरह से सही और सामान्य जीवन जी सके। प्रत्येक पाप को क्षमा कर और आज रात्रि इसे अपने राज्य में ले; मैं यीशु मसीह के नाम में मांगता हूँ। आमीन। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे नौजवान। आनन्द मनाते हुए जाओ। तुम्हें लगता है कि परमेश्वर ने अब तुम्हें बचा लिया है, तुम्हारे पाप जाते रहे? तुम- किसी भली कलीसिया में शामिल होने और मसीह के लिए जीवन जीने जा रहे हो? भाई तुम सही भी होने जा रहे हो। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे।

किसी सेवादार को इस लड़के से कलीसिया में आने के लिए तुरंत बात करनी

चाहिए और उसे बप्तिस्मा देना चाहिए। आओ कहें,''प्रभु, हम तेरा धन्यवाद करते हैं।'' ''प्रभु हम तेरा धन्यवाद करते हैं।'' और हमारी दया- हमारी एक दूसरे हेतु ईमानदार प्रार्थनाएं।

40 ठीक है, उस महिला को लेकर आओ। अब,तुम अपने संपूर्ण मन से और अपने संपूर्ण प्राण से और अपनी संपूर्ण बुद्धि से चंगा होने के लिए प्रार्थना करो। और भद्रमहिला क्या तुम ऐसा करती हो? उंह-हुह। क्या तुम विश्वास करती हो कि तुम यहां अपने भाई के सम्मुख नहीं (समझे?), परन्तु तुम उसकी (HIM) उपस्थिती में हो, वह जो केवल इकलौता अलौकिक है, और जिसने उसके चित्र को इस समाचार पत्र पर लेने दिया है? उंह-हुह। तुम करती हो? क्या तुम विवाहित हो? क्या मैं एक क्षण के लिए एक और जाकर तुमसे बात कर सकता हूँ? श्रोताओं तुम गाओ, ''केवल विश्वास।'' यहां आओ। [जब भाई ब्रनहाम उस महिला से बात करते हैं तो लोग गायन करते हैं-संपा.]

बस कुछ [टेप पर रिक्त स्थान- संपा.] हा- श्रोताओं के सम्मुख यह नहीं कहा जा सकता है। यह था एक... केवल परमेश्वर ही इस मसले को जानेगा। नवयुवती, क्या यह सही है? यह सही है। और बस, इसे श्रोताओं के सम्मुख नहीं कहा जा सकता है। एक दर्शन आया और जब इसने मुझे छोड़ा तो मैं गया इस नवयुवती से इस पर बात की; और वह अपने हाथों को थाम लेती है कि यह केवल और केवल सत्य है। और उसके और परमेश्वर के अलावा कोई भी इस स्थान पर नहीं हो सकता है। यह सही है। अब, जरा समीप आ जाओ। यदि मैं तुम्हारे लिए आशीष मांगूँ कि परमेश्वर मेरी प्रार्थना का उत्तर दे तो क्या तुम विश्वास करोगी।

हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे कि यह महिला यहां पर एक अस्पष्ट समझ में है कि यह समस्या क्या है, प्रभु मैं इसके लिए दया की याचना करता हूँ। और वह स्वस्थ हो सके। पिता तू यहां पर है और तू इसे स्वस्थ कर सकता है। और तेरे पुत्र के वचन के कीर्तिगान में, यीशु, उसके पवित्र होठों से निकले जो आखिरी शब्द थे, जब वह हमारे साथ युग के अंत तक बना रहने के लिए लौट कर आने के वायदे के साथ उठ कर स्वर्ग को गया; वह बोला, ''विश्वास करने वालों को यह चिह्न अनुसरण करेंगे। यदि वे रोगियों पर अपने हाथों को रखेंगे तो वे चंगे हो जाएंगे।'' और इससे परे, प्रभु, जब प्रभु का स्वर्गदूत आया और उसने कहा, ''जा और निष्ठावान रहना, और लोगों का अपने पर विश्वास बना; और निष्ठापूर्वक प्रार्थना कर तो कुछ भी प्रार्थना के सम्मुख ठहर नहीं

पाएगा।''तू अभी भी परमेश्वर है। तू अभी भी मौजूद है। तू अभी यहां पर है। और प्रभु मैं इसकी चंगाई को मांगता हूँ। एक युवा जीवन को बख्श दे। यह मैं मसीह के नाम में मांगता हूँ। आमीन। यह... यहां... यह एक गम्भीर बात है पर मैं विश्वास करता हूँ कि तुम स्वस्थ होने जा रही हो। मैं विश्वास करता हूँ तुम बिलकुल ठीक होने जा रही हो। और जब तुम जाती हो प्रभु यीशु तुम्हें आशीषित करता है।

41 आओ कहें, ''हमारे प्रभु का धन्यवाद हो।'' भरोसा रखें। तुम अपनी कमर की समस्या से उबरना चाहती हो? स्वस्थ होना चाहती हो? तुम विश्वास करती हो कि वह?...?... यदि मैं परमेश्वर से मांगूँ और वह इसे कर दे और तुम्हें स्वस्थ करे तो क्या तुम विश्वास करोगी? ठीक है, एक क्षण के लिए यहां आओ। पिता, मैं तुझसे करुणाशील होने की गुहार लगाता हूँ। इस महिला को चंगा कर प्रभु, मैं तेरी महिमा के लिए प्रार्थना करता हूँ। प्रभु प्रदान करें, वह सामर्थ्य जिसने मसीह को मृतकों में से जीवित कर दिया अब इसे पुष्ट करे और इस दमनकारी आत्मा को इससे दूर कर दे; और वह यीशु मसीह के नाम में स्वस्थ होकर जा सके। आमीन।

अब तुम विश्वास करती हो? तुम विश्वास करती हो कि यह तुम्हें छोड़ जाएगी? यह तुम्हें कितने समय से परेशान कर रही थी? उंह-हुह। यह धीरे धीरे घोट रही है-यह अदृश्य है। समझे? यह... तुम निश्चय ही इसे बाहर से नहीं देख सकते हो (समझे?) परन्तु यह- यह केवल यही नहीं है, परन्तु इसके भीतर वृद्धि भी है। तुम्हारे गलगण्ड में अंदरूनी वृद्धि है। क्या यह सत्य नहीं है? देखा? वह- तुम जान जाओगी कि जो मैं कह रहा हूँ उसे मैं समझता हूँ। अब, तुम जाओ और कुछ संदेह न करो। समझीं? केवल परमेश्वर को धन्यवाद करती हुई जाओ। और अब, यदि हमारी प्रार्थना का उत्तर मिलता है तो लगभग बहत्तर घंटो के भीतर तुम बीमार पड़ जाओगी, लगभग तीन दिन और रात्रि के लिए गम्भीर बीमार पड़ जाओगी। समझे? तुम बीमार हो जाओगी: सिरदर्द, उबाईयां। चिंता मत करना, यह इसलिए... यह जब तुम- तब तुम परमेश्वर का धन्यवाद करना; यह जा चुकी है। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे और परमेश्वर तुम्हारे साथ रहे। आओ कहें, ''परमेश्वर की महिमा हो जो हमे विजय प्रदान करता है।''

42 प्रिय बहन, आओ। तुम अपने संपूर्ण मन से विश्वास करती हो? विश्वास करती हो कि परमेश्वर तुम्हें स्वस्थ कर देगा? यह तुम्हारी मां हैं? क्या ऐसा ही है? मैं ऐसा सोचता हूँ। तुम प्रार्थना कर रही हो। तुम्हारा मसला गम्भीर है, क्या नहीं, पुत्र? तुम्हारे साथ कुछ

गड़बड़ है, तुम बस थोड़ी समरण शक्ति खो देती हो; तुम चीजों के विषय में सोच नहीं सकती। क्या यह सत्य नहीं है? क्या यह सही है? उंह-हुह। वहां पर वह माता जी, उन्हें हृदय की समस्या है, वह घबराहट से पीड़ित हैं। क्या यह सही नहीं है? वह तुम्हारी मां है, क्या यह सही है? अपना हाथ ऊपर उठाओ। देखा? इस महिला को हृदय संबंधी समस्या भी है। वे दुष्टात्माएं एक दूसरे को खींच रहीं थीं। परमेश्वर तुम दोनों को आशीष दे। अब, तुम दोनो प्रभु यीशु के नाम में जाओ और चंगी हो जाओ। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे नौजवान और यही चीज तुम्हें भी प्रदान करे। परमेश्वर तुम्हारे साथ हो। प्रभु आशीष दे। आओ कहें, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो'' जो हमारे प्रभु यीशु मसीह में होकर हमें विजय प्रदान करता है।

ठीक है। अब विश्वास करते हुए आओ। बहन तुम विश्वास करती हो कि वह तुम्हें स्वस्थ कर देगा? अपने संपूर्ण मन से? तुम्हारे लिए बहाल कर दे- वह वेदना और दोबारा तुम्हें एक भली चंगी लड़की बना दे? यदि वह तुम्हें चंगा कर दे तो क्या तुम जीवनपर्यंत उसकी सेवा करोगी? हमारे स्वर्गीय पिता, मैं हमारी बहन के लिए अनुग्रह और अनुकंपा की याचना करता हूँ। और होने दे कि वह दुष्ट चला जाए; मैं यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करता हूँ कि वह बहन में से चला जाए। आमीन। अब, तुम बिलकुल ठीक हो। तुम विश्वास करती हो? क्या तुम मुझे सही तरह से सुन सकती हो? क्या तुम मेरी बात का अर्थ समझ सकती हो? कितने समय से तुम इस अवस्था में थी? जब एक छोड़ी बालिका ही थीं...?... तुम अभी सब समझ रही हो? ठीक है, तुम चंगी हो चुकी हो; यह तुम में से जा चुकी है। बधिर आत्मा ने तुम्हें छोड़ दिया है; तुम घर जा सकती हो और आनन्द मना सकती हो। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। आओ कहें, ''परमेश्वर का धन्यवाद हो।''

43 नवयुवती, यहां आओ। तुम अपने संपूर्ण मन से विश्वास करती हो? क्या होगा यदि प्रभु यीशु - बता दे कि तुम्हारे साथ क्या समस्या है, तब तुम भाई ब्रनहाम पर विश्वास करोगी? करोगी? तुम संडे स्कूल जाना पसंद करती हो? तुम एक ऊर्जावान छोटी प्यारी लड़की हो। और मैं-मैं-तुम... जिस राह पर नवयुवतियां आज चल रही हैं, यदि यीशु तुम्हें स्वस्थ कर देता है तो क्या तुम उसकी सेवा नहीं करोगी? प्रिय तुम्हें गुर्दे की एक समस्या है और यह कई वर्षों से है। समझी? क्या यह सही नहीं है? परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। एक मिनट के लिए यहां आओ। प्रिय यीशु, इस प्रिय छोटी जन के लिए मैं प्रार्थना करता हूँ कि अब त इसकी सहायता करेगा। इस अवस्था को देखते हुए होने दे

कि दुष्ट आत्मा इस बालिका से दूर हो जाए। और मैं यीशु मसीह नाम में इस बालिका को इसकी चंगाई के लिए आशीष देता हूँ। आमीन।

अब, प्रिय उसने घोर प्रयास किया है पर तुम अब स्वस्थ होने जा रही हो। अब, तुम भयभीत न हो। तुम आगे बढ़ो और यीशु से प्रेम करो और परमेश्वर तुम्हें स्वस्थ करने जा रहा है। आओ कहें, "प्रभु-हमारे प्रभु का धन्यवाद हो।"

अब, बहन, जबकि तुम वहां कुर्सी पर बैठी हुई हो, तुम विश्वास करती हो? अपने संपूर्ण मन से? क्या तुम उस स्त्रियों से सम्बंधित समस्या से उबर जाना पसंद करोगी जो तुम्हें-एक... ठीक है, बस आगे बढ़ो और ठीक अभी प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, और तुम पूरी तरह- तुम इससे मुक्त हो जाओगी। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। आमीन।

यहां आओ, मैं जाने से पहले बस तुम्हारे हाथ को स्पर्श करना चाहूँगा। परमेश्वर मैं यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ कि इसके प्रति कृपालु रहें। आमीन। आमीन। बहन, प्रभु यीशु तुम्हें आशीष देता है। आओ कहें, "हमारे प्रभु का धन्यवाद हो"...?

44 यदि अब तुम विश्वास करते हो तो संदेह न करो। अब, भद्रमहिला आओ। क्या यह कुछ अजीब बात नहीं है जब मैंने कहा, उसे स्त्रियों संबंधी समस्या है? बिलकुल यही तुम्हारे साथ है। समझीं? अब, आगे बढ़ो और परमेश्वर की स्तुति करो और कहो, "मेरी चंगाई के लिए प्रभु तेरा धन्यवाद हो।" आओ कहें, "प्रभु यीशु की प्रशंसा हो।"

ठीक है, नवयुवती, क्या तुम आओगी। तुम क्या सोचती हो? अब, प्रिय बहन, यह तुम्हें कष्ट पहुंचाने के लिए नहीं है। यह वह चीज है जो तुम्हें चंगा करेगी। भयभीत न हो। तुम समझी? इसमें ऐसा कुछ नहीं है जो तुम्हें कष्ट पहुंचाए। एक मिनट के लिए यहां मेरी ओर देखो। बहन, तुम विश्वास करती हो कि मैं परमेश्वर का सेवक हूँ? संपूर्ण मन से? मैं देखता हूँ कि तुम एक मसीही हो। अब, मैं तुम से कुछ पूछना चाहता हूँ। तुम्हें एक भयंकर रोग है, यह विश्व का तीसरा हत्यारा रोग है, यह तपेदिक है। क्या तुम यह जानती हो? तुम्हारी समस्या तपेदिक है। अब, प्रभु यीशु तुम्हारे प्रत्येक कण को स्वस्थ कर सकता है। भयभीत न हो, माता, यह सही हो जाएगा। हमारे स्वर्गीय पिता, मैं इसकी इस किशोरावस्था में इस नवयुवती के लिए प्रार्थना करता हूँ। मैं दया के लिए याचना करता हूँ। होने दे कि यह दुष्टता जो चिकित्सकों की दृष्टि से छिपी है... उन्होंने प्रयत्न किए परन्तु इससे कोइ लाभ न हुअ। परन्तु परमेश्वर वह तुझ से नहीं छिप सकती

है। तू जानता है कि वह ठीक कहां पर है। होने दे कि यीशु मसीह के नाम में वह इस नवयुवती से बाहर निकल जाए। और मेरी बहन, मैं तुम्हारी चंगाई के लिए यीशु मसीह नाम में तुम्हें आशीष देता हूँ। आमीन। बहन, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे बहन, संदेह न करो। अब, आनंदित होकर प्रसन्नता के साथ जाओ; तुम स्वस्थ होने जा रही हो। समझी? भरोसा रखो।

45 ठीक है। अब, मां जी, तुम्हारा रोग पहले स्थान पर आने वाला हत्यारा है, हृदय रोग। यह... सामान्यत: यह बड़ी तेजी से लोगों को मार डालता है। यह सही है, क्या नहीं? यह सही है। तुम्हारे हृदय में कुछ है और जब तुम लेटती हो तो यह और बुरा हो जाता है, और-और तुम पर घबराहट के मंत्र और काला जादू और इस तरह की चीजें की गई है। समझे? तुम्हारा जीवन छिप नहीं सकता है। तुम्हारे जीवन में बहुत अधिक समस्याएं रही हैं; बहुत दुख, और शल्यचकित्साएं और अन्य चीजें। क्या यह सही नहीं है? समझीं? मैं तुम्हारा मस्तिष्क नहीं पढ़ रहा हूँ परन्तु मैं-मैं जानता हूँ कि क्या-यह क्या... क्या यह सत्य है? अब एक मिनट के लिए यहां आओ। प्रभु परमेश्वर, इस महिला के विश्वास के लिए, जबकि तेरे सेवक की शक्ति द्रुत गति से मंद पड़ती जा रही है, परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू इसके प्रति कृपालू होगा और आज रात्रि वह यहां से स्वस्थ होकर जा सके; यीशु के नाम में मैं मांगता हूँ। आमीन। बहन, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। प्रसन्नता के साथ, आनन्द मनाते हुए और परमेश्वर को धन्यवाद करती हुई जाओ। ओह, कितना अदभुत है। हम किस तरह कर सकते हैं- यदि तुम केवल उसका विश्वास कर सको, उस पर भरोसा रखो...

निश्चय ही मुझे यह बताने की कोई आवश्यक्ता नहीं है कि इस समय क्या घटित हुआ है। तुम्हारे विश्वास करने के लिए यह बहुत कठिन होगा। मैं वहां पीछे श्रोताओं को बामुश्किल ही देख पा रहा हूँ... यह वास्तव में-कुछ है। मुझे इसकी व्याख्या करने का प्रयास करने की कोई आवश्यक्ता नहीं है। केवल-तुम बस-विनीत बने रहो।

46 ठीक है, आओ श्रीमान, और परमेश्वर पर भरोसा रखो। ठीक है। अब, तुम जितना विनीत हो सकते हो बने रहो। श्रीमान, आप कैसे हैं। श्रीमान, क्या आप विश्वास करते हैं? अपने संपूर्ण मन से? [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]... दीवार।

ठीक वहां पर। तुम दोनों ही प्रचारक हो। यह सही है? तुम्हें उदर की एक समस्या है और उसको रिसाव है। क्या यह सही है? प्रभु परमेश्वर, अपने सेवक को आशीष दे। होने

दे कि वह घर जा सके और स्वस्थ हो सके, और प्रभु वह जो दूसरा वहां बैठा है उसके साथ भी ऐसा ही कर। मैं मसीह यीशु के नाम में प्रार्थना करता हूँ। आमीन। भाई, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। जाओ और जो तुम्हारा मन करे खाओ। यह एक घबराहट है जो तुम्हारी सेवकाई और चीजों से है, यही है जिसने तुम्हें विचलित कर दिया है। तुम बिलकुल ठीक होने जा रहे हो। चिंता मत करो। इसने ही पाचन तंत्र के छाले की अवस्था बनाई है, भरोसा बनाए रखो और अपने संपूर्ण मन से परमेश्वर पर विश्वास करो।

47 आपके विषय में क्या है बहन? तुम भी विश्वास करती हो? यह पित्ताश्य की समस्या और अन्य चीजें, तुम्हें जो... तुम्हें उसकी (HIM) आवश्यक्ता है, क्या नहीं? तुम्हारे बाजू में जो बैठे हुए हैं वह तुम्हारे पति ही नहीं हैं? क्या यह सही नहीं है? मैंने सोचा कि यह ऐसा था। तुम अब अपनी चंगाई को स्वीकार करो? अपना हाथ ऊपर उठाओ और कहो, ''मसीह, मैं इसे स्वीकार करती हूँ।'' तुम दोनों ही कहो। परमेश्वर आशीष दे।

वहीं उससे हाथ भर दूर एक महिला बैठीं हुई हैं, उन्हें भी स्त्रियों संबंधी समस्या है। भद्र महिला, क्या यह सही है, उसमें दूसरे स्थान पर...? क्या यह सही है? उठो और अपनी चंगाई को ग्रहण करो। तुम विश्वास करती हो? अपने पैरों पर खड़ी हो जाओ। कहो, ''मैं अपनी चंगाई को ग्रहण करती हूँ।'' परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। तुम विश्वास कर रही हो? विश्वास करती हो कि परमेश्वर तुम्हें स्वस्थ करेगा?

वहां पर कोई है... मैं बता नहीं सकता हूँ...ठीक यहां पर–ठीक इसके ऊपर– मार्ग के इस भाग में, मैं एक छोटे बालक को देखता हूँ जिसे गुर्दे की समस्या है, परन्तु मैं उसे चिह्नित नहीं कर पा रहा हूँ। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। अन–हह। हुह? और उसके पास एक छोटी लड़की खड़ी हुई है जिसे मरोड़े पड़ने की समस्या है। क्या यह तुम्हारी है? परमेश्वर आशीष दे। अपने हाथ उस लड़की पर और बालक पर रखो, उस छोटे बालक पर।

48 श्रीमान, उठिए, तुम चंगे हो चुके हो। सर्वशक्तिमान परमेश्वर, जीवन का रचयिता, और प्रत्येक भले दान का प्रदाता प्रभु आज रात्रि इस पर तुम्हारी आशीषों को भेजे। यीशु मसीह के नाम में होकर इस समय इन श्रोताओं में लोगों को चंगा कर।

मुझे आश्चर्य है कि जबकि तुम अपने झुके हुए सिरों के साथ खड़े हुए हो या बैठे हुए हो, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे साथ निष्ठावान बने रहो। क्या आज रात्रि यहां पर कोई पापी जन है जो कहे, ''मैं यीशु को अपना

उद्धारकर्ता स्वीकार करना चाहता हूँ, और मैं-मैं विश्वास करता हूँ कि वह मृतकों में से जीवित हुआ। मैं लम्बे समय से मसीही होना चाहता था''? भद्र महिला, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। कोई और अपना हाथ उठाए और कहे, ''भाई ब्रनहाम, मैं...'' परमेश्वर आशीष दे, श्रीमान, वे जो आखिर में खड़े हुए हैं। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे, श्रीमान। बहन, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। मेरी बाईं ओर ऊपर वहां गलियारे में, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। ऊपर, वहां सब, अपने हाथ उठाओ और कहो, ''मैं यीशु को ग्रहण करना चाहता हूँ।'' क्या तुम अपने पैरों पर खड़े होगे, तुम जो ठीक अभी मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करना चाहते हो? क्या तुम कायल हो कि वह यहां है? और यदि वह पवित्रात्मा के द्वारा मुझे बताई गई चीजों का प्रकाशन देने के लिए मेरी प्रार्थना को सुनेगा... मैंने दूसरे व्यक्ति को बुलाना आरंभ कर दिया है जो ठीक यहां बैठी हैं, वह महिला जो वहां आंख की समस्या के साथ बैठी हैं, वहां बैठी हैं, अभी अभी चंगी हो गई हैं। मैंने उन्हें बुलाना आरंभ किया था ओर पवित्रात्मा ने लोगों को वेदी पर बुलाने के लिए कहा ''मुझे आज्ञाकारी होना ही है।''

49 तुम जो मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करना चाहते हो और विश्वास करते हो कि वह इसी समय मेरी प्रार्थना को सुनेगा, अपने पैरों पर खड़े हो जाओ। पूरे भवन में, सब ओर, प्रत्येक स्थान पर क्या तुम अपने पैरों पर खड़े होगे? उठो। ठीक अभी वह समय है कि उसे स्वीकार किया जाए। क्या कोई और इस समय खड़ा होना चाहेगा? नौजवान जोड़े, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे श्रीमान। बहन, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। सब लोग खड़े रहें। क्या तुम खड़े होगे? नौजवान, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। कोई और कहेगा, ''मैं ठीक अभी मसीह को ग्रहण करना चाहता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ वह यहां है।'' मेरे प्रिय भाई और बहन, परमेश्वर के सम्मुख मैं झूठ नहीं बोलता: परमेश्वर का स्वर्गदूत जो यहां है, उसका यह चित्र लिया गया- वह यहां पर है, आज रात्रि इस मंच पर है, ठीक यहां पर है, मुझे निर्देशित कर रहा है कि मैं वेदी पर बुलाने की पुकार लगाऊं। यह किसी के लिए अंतिम अवसर हो सकता है। मैं नहीं जानता हूँ। कुछ तय हो रहा हो सकता है- कुछ घटित होने के लिए तय हो रहा है, परन्तु उसने मुझे वेदी पर बुलाने की पुकार लगाने को कहा है, मैंने पहले कभी इस तरह अपने जीवन में नहीं किया है।

क्या तुम खड़े होगे? यदि यहां कोई पापी जन है और मसीह को मुक्तिदाता ग्रहण

करना चाहता है, क्या तुम खड़े होगे? परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। यह सही है, सब ओर। अब, एक क्षण के लिए खड़े रहें।

पिता मैं नहीं जानता कि तुने यह क्यों किया है। मुझे कुछ अजीब सा अहसास हुआ। परन्तु परमेश्वर मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू उनमें से प्रत्येक को क्षमा करेगा जो खड़े हुए हैं। होने दे कि उनके पाप लहु के तले किए जाएं। मैं विश्वास करता हूँ कि यह पुकार है; यह समय है।

प्रभु का स्वर्गदूत अभी अपने महान पंखों को इस भवन के ऊपर फैलाए, और दया की शोधित ओस की बूंदों को प्रत्येक प्राण के ऊपर छिड़के। प्रभु, यह प्रदान करें। होने दे कि पवित्रात्मा रूपांतरण की अपनी महान सामर्थ्य में इन लोगों के हृदय को संदेह से विश्वास में परिवर्तित कर दे और उनकी गवाही महान हो सके, और वे यीशु मसीह नाम में होकर पवित्रात्मा का बप्तिस्मा भी प्राप्त कर सकें।

50 अब, तुम जो खड़े हुए हो, विश्वास करते हो कि परमेश्वर तुम्हें तुम्हारे पापों को क्षमा करता है, अपने हाथ उठाएं, और कहें, "मैं अभी उसे अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार करता हूँ।" तुम जो खड़े हुए हो... तुम यह विश्वास करती हो बहन। परमेश्वर तुम्हें आशीष दे। छोटे बालकों को गलियारे में ऊपर और नीचे छोड़ दो। कितने लोग ठीक अभी पवित्रात्मा का बप्तिस्मा चाहते हैं? जो पवित्रात्मा का बपतिस्मा प्राप्त करना चाहते हों, जिन्होनें कभी न पाया हो, अब चाहते हों, वे खड़े हो जाएं।

अब, वे जो... तुम सब जो पवित्रात्मा चाहते हो, पवित्रात्मा का बप्तिस्मा ... यदि तुम अपने संपूर्ण मन से विश्वास करते हो... [भाई ब्रनहाम किसी के लिए ठहरते हैं जो अन्य भाषा में बोल रहा है,तब बोलना आरम्भ करते हैं जबकि अन्य भाषा जारी है-संपा.] जो खोजी हैं वे ठीक अभी सीधा मंडप में चले जाएं। आओ ठीक मंडप में जाएं। [टेप पर रिक्त स्थान-संपा.]...?... तुम ठीक अभी बाहर आ जाओ। रेव्ह. यहां आओ। बाकि सब लोग प्रार्थना में अपने सिरों को झुकाएं। ठीक है।